चैत्र शुक्ल पक्ष-प्रतिपदा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 252 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

19 मार्च 2026 गुरुवार

दोपहर मेट्रो

चैत्र नवरात्र और गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं

भयावह होती जंग... सऊदी अरब, कतर और यूएई में भीषण हमलों की धमकी

सऊदी-कतर में हाहाकार

ईरान ने कहा - आम नागरिक और गैस - तेल प्लांट के कर्मचारी सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं

इजरायल द्वारा ईरान की गैस फील्ड पर हमला करने के बाद ईरान ने मिडिल ईस्ट के देशों को खुली चेतावनी दे दी है। उनके ऊर्जा केंद्र अब सीधे निशाने पर हैं। उसने कतर के रास लफान गैस प्लांट पर बड़ा हमला करने के बाद खाड़ी के सभी तेल - गैस सयंत्रों को तबाह करने की धमकी दी है।

दुबई/तेल अवीव/दोहा. एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच तनाव चरम पर है। कतर के सबसे अहम ऊर्जा केंद्र रास लफान इंडस्ट्रियल सिटी पर ईरान ने बड़ा मिसाइल हमला किया है। इसके बाद कतर ने बड़ा कदम उठाते हुए ईरान के सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों को 'परसोना नॉन ग्राटा' घोषित कर दिया है और उन्हें 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया है। कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह फैसला उसकी संप्रभुता पर बार-बार हुए हमलों और आक्रामक कार्रवाई के जवाब में लिया गया है। दोहा स्थित ईरानी दूतावास को आधिकारिक नोटिस उनके स्टाफ को तुरंत देश छोड़ने को कहा गया है।

कतर के उस ऊर्जा केंद्र रास लफान इंडस्ट्रियल सिटी पर मिसाइल हमला हुआ है जो कतर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाती है और दुनिया की एलएनजी सप्लाई में बड़ी भूमिका निभाती है। हमले में भारी नुकसान हुआ, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ. फायर टीमों ने आग पर काबू पाने के लिए तुरंत ऑपरेशन शुरू किया। वहीं, दूसरी तरफ ईरान ने सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात को सीधी चेतावनी दी है कि वे अपने प्रमुख पेट्रोकेमिकल और गैस

ठिकानों को तुरंत खाली कर दें, क्योंकि आने वाले घंटों में इन पर हमले हो सकते हैं। ईरान के सरकारी मीडिया के जरिए जारी इस चेतावनी में कहा गया कि ये ऊर्जा केंद्र अब सीधे टार्गेट बन चुके हैं। ईरान ने साफ शब्दों में कहा कि इन ठिकानों पर जल्द ही हमला किया जाएगा, इसलिए वहां मौजूद नागरिकों, कर्मचारियों और स्टाफ को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है।

निशाने पर जिन प्रमुख ठिकानों का जिक्र किया गया है, उनमें सऊदी अरब की सैमरेफ रिफाइनरी और जुबैल पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स, यूएई का अल होसन गैस फील्ड, और कतर के मेसाईद पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स तथा रास लफान रिफाइनरी शामिल हैं। ये सभी दुनिया के सबसे अहम तेल और गैस इंफ्रास्ट्रक्चर में गिने जाते हैं। कुछ ही समय पहले इजरायल ने ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमला किया गया था। जो दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस भंडार माना जाता है और ईरान की ऊर्जा व्यवस्था की रीढ़ है। ईरान ने पहले ही संकेत दे दिया था कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों पर हमले जारी रहे तो वह खाड़ी देशों के तेल और गैस इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाएगा। अब कतर पर हमले और उसके बाद उठाए गए कूटनीतिक कदमों ने पूरे क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा दिया है।

घबराया अमेरिका, ट्रंप ने दी चेतावनी

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान को कड़ी चेतावनी दी कि अगर उसने कतर के एलएनजी ठिकानों पर दोबारा हमला किया तो अमेरिका जोरदार जवाब देगा। उन्होंने कहा कि कतर के रस लफान इंडस्ट्रियल सिटी पर हालिया मिसाइल हमले के बाद ऐसी स्थिति बनी है.। ट्रंप ने चेताया कि यदि ईरान ने फिर हमला किया, तो अमेरिका साउथ पार्स गैस फील्ड को भारी ताकत से नष्ट कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि हालिया हमले में अमेरिका शामिल नहीं था और कतर को इसकी जानकारी नहीं थी।

भारत में गैस संकट की आशंका

कतर के ऊर्जा केंद्र रास लफान इंडस्ट्रियल सिटी पर हमले का असर सबसे अधिक भारत पर पड़ने की आशंका है। भारत सबसे अधिक करीब 47 फीसदी गैस कतर से ही लेता है। हर साल करीब 27 मिलियन टन एलएनजी का आयात होता है जिसमे कतर से करीब 12-13 मिलियन टन प्रति साल आता है। अब कतर में चूँकि गैस फैसिलिटी पर ही अटैक होने लगा है तो इसका असर पूरी तरह से भारत पर पड़ सकता है। वैसे भी होर्मुज बंद होने की वजह से भारत के गैस वाले कई जहाज अब भी समंदर में फंसे हैं। भारत लगातार ईरान से बातचीत कर बारी-बारी से अपने जहाज मंगा रहा है।

सेंसेक्स 1800 अंक गिरा

भारतीय शेयर बाजार में आज भारी गिरावट दर्ज की गई । सेंसेक्स करीब 1800 अंक (2.35त्न) गिरकर 74,900 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 540 अंक (2.20त्न) की गिरावट है। यह 23,250 से नीचे आ गया है। बैंकिंग और ऑटो शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। जियो पॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है।

खाड़ी मुल्कों में बढ़ते खतरे और ट्रम्प के सामने चुनौतियां

अमेरिका में एंटी टेररर आपरेशन के मुखिया जो केंट के इस्तीफे और अमेरिका - ईरान की बेवजह जंग को लेकर आरोपों की चिंगारी अब आग में तब्दील हो उठी है। वजह बनीं हैं अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गाबार्ड का अमेरिकी सीनेट की इंटेलीजेंस कमेटी के समक्ष दिया गया बयान। सीनेट की कमेटी के सामने उन्होंने कहा कि 13 से 24 जून 2025 के बीच ईरान पर ईजरायल और अमेरिका के आपरेशन हैमर के बाद से ईरान का परमाणु बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले यूरेनियम को रिफाइंड करने का कार्यक्रम ठप था। यह बयान सीधे तौर पर ट्रंप प्रशासन के उस तर्क को कमजोर करता है, जिसमें बार-बार कहा गया कि ईरान का न्यूक्लियर कार्यक्रम अमेरिका के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। अमेरिका के दो शीर्ष अधिकारियों के बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के जंग में कूदने के फैसले पर उठते सवालों को और भी पुख्ता कर करते हैं । इसके बाद तेजी से सुपलगाती आग में घी डालने का काम अमेरिकी सीनेट की इंटेलिजेंस कमेटी के उपाध्यक्ष मार्क वॉर्नर ने किया है। उन्होंने इस युद्ध को चिंतांजनक बताते हुए इसे नीतिगत चूक करार दिया है।

हालांकि गबार्ड के सीनेट की कमेटी में दिए लिखित बयान में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के ठप होने की बात का जिक्र नहीं था। अपने सार्वजनिक बयान में उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान इस समय अमेरिका के लिए सबसे बड़े परमाणु खतरे में शामिल है। उन्होंने इसके साथ रूस, चीन, उत्तर कोरिया का भी नाम लिया। गाबार्ड ने अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसियों के आकलन का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका पर हमला करने में सक्षम मिसाइलों की संख्या में तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान गुपचुप उत्तर कोरिया, रूस और चीन के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करने में सक्रिय रूप से जुटा है। उनका सार्वजनिक बयान सीनेट कमेटी में दिए लिखित बयान से एकदम उलट था। उन्होंने सीनेट बयान के पहले ट्रम्प का यह कहते हुए बचाव था किया कि उनका ईरान पर हमला अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के इनपुट के आधार लिया गया था।

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

घायल शेर की तरह हो रहा ईरान का पलटवार

इस बीच फारस की खाड़ी में स्थित दक्षिणी बुशेहर प्रांत के तट के पास स्थित साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले के बाद ईरान अब घायल शेर बन चुका है। गौरतलब है कि दुनिया के सबसे बड़े गैस भंडार वाले इस इलाके में कतर का निवेश भी है। इसलिए कतर ने इजरायल और अमेरिका सरकार के सामने इस हमले पर एतराज भी जताया है। ईरान ने कतर में मौजूद दुनिया से सबसे बड़े रालस लफान एलपीजी और एलएनजी गैस प्लांट पर हमले के साथ कुवैत के अमेरिकी बेस को निशाना बनाया है। सऊदी अरब के जुबैल पेट्रो केमिकल कॉम्प्लेक्स और यूएई केअल होसन गैस फील्ड पर हमले की धमकी दे दी है। अमेरिका के सबसे कारगर जलपोत सर गैराल्ड को आग से हुए नुकसान के चलते लाल सागर से हटना पड़ा है। अमेरिका इसे हादसा बता रहा है तो ईरान का दावा है वह उसके हमले का शिकार हुआ है। दावों - प्रति दावों के बीच सच्चाई तो यही है कि ईरान अब उस जगह पर चोट कर रहा है, जिससे पूरी दुनिया कराह रही है। सवाल यही है कि उर्जा संकट के यह हालात क्या अमेरिका और इजरायल को घुटने टेकने पर मजबूर कर सकते हैं ? यदि ऐसा हुआ तो सुपर पॉवर के लिए यह इतिहास के सबसे कड़वे पलों में से एक होगा। वित्तीय और मानवीय नुकसान के साथ साख पर भी बट्टा लग रहा है। सवाल उठने लगे हैं कि क्या डोनाल्ड ट्रंप की वजह से उनका देश 21 वीं सदी में अपने सुपर पॉवर के रुतबे को गंवा रहा है?

न्यूज विंडो

इमारत में आग लगने से फटा सिलेंडर, दो की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत शहर में एक एम्ब्रॉयडरी यूनिट वाली इमारत में सुबह आग लगने के बाद गैस सिलिंडर फट गए। इस दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य बुरी तरह जल गए। सुबह का वक्त था, लोग अभी नींद में थे कि अचानक धमाके की आवाज ने पूरे इलाके को हिला दिया। घटना सुबह करीब 5:30 बजे कपोदरा इलाके के भरतनगर में रचना सर्कल के पास वाली इमारत की तीसरी मंजिल पर हुई। वहां एम्ब्रॉयडरी का काम होता था और आठ गैस सिलिंडर स्टोर किए गए थे।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल नेता की बेरहमी से हत्या

परगना। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में तृणमूल कांग्रेस के एक नेता की हत्या से हड़कंप मच गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिले के हाडोया में स्थित झुजुरगाछा इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जिसकी पहचान 38 साल के मशिउर काजी के रूप में हुई है। वह देगंगा के चपातला ग्राम पंचायत के गंगनिया गांव के निवासी थे और तृणमूल कांग्रेस के बूथ प्रेसिडेंट थे।

असम के लिए बीजेपी की पहली लिस्ट में 88 नाम

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी की पहली लिस्ट में 88 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया है। एक दिन पहले पार्टी में आए प्रद्युत बारदोलोई को दिसपुर से टिकट दिया गया है। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा अपनी जालुकबारी सीट से ही चुनाव लड़ेंगे। पिछले दिनों कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए भूपेन बोरा का भी नाम है।

आज का कार्टून

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत रवींद्र भवन में आयोजित 'कोटि सूर्योपासना' एवं 'सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित नाट्य मंचन' में शामिल होकर कलाकारों को सम्मानित किया। साथ ही गुड़ी पड़वा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

विधायक मुकेश मल्होत्रा को सुप्रीम कोर्ट से राहत

श्योपुर। विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। इससे पहले ग्वालियर हाईकोर्ट ने उनका चुनाव शून्य घोषित कर दिया था। हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच के जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने निर्वाचन प्रक्रिया में गड़बड़ी और तथ्यों को छुपाने के आधार पर यह फैसला सुनाया था। मल्होत्रा के खिलाफ यह याचिका भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत ने दायर की थी। आरोप था कि मल्होत्रा ने अपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी छुपाई।

इंदौर ईवी हादसा... घर के इंटीरियर से भी भड़की आग

बड़ी बहू का शव बैठे हुए मिला, छोटी बहू मायके में होने की वजह से बची

इंदौर. एजेंसी

तिलक नगर स्थित ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी में हुए ईवी हादसे के बाद नई जानकारियां भी सामने आ रही हैं। प्लायवुड और लकड़ी से बने इंटीरियर ने आग को और तेज कर दिया, जिससे किसी को भी बाहर निकलने का मौका नहीं मिल पाया। इस हादसे में 8 लोगों की जान चली गई थी। दिल को झकझोर देने वाला मंजर तब दिखा जब परिवार की बड़ी बहू का शव बैठी हुई हालत में मिला। छोटी बहू उस दिन मायके में होने की वजह से इस हादसे से दूर रही। हादसे से बचकर निकले कारोबारी मनोज पुगलिया के बेटे सौमिल अब भी उस खौफनाक मंजर को याद कर सहम जाते हैं। उन्होंने बताया कि आग लगते ही पूरे घर में तेजी से धुआं भर गया था।

चारों तरफ अंधेरा और घुटन थी, कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। ऐसे हालात में बड़े भाई सौरभ ने हिम्मत दिखाते हुए सभी को आवाज देकर जगाया। किसी तरह सौरभ, मां सुनीता, छोटा भाई हर्षित और सौमिल बालकनी तक पहुंचे और बाहर आ गए। वहां से उन्होंने पड़ोसियों को मदद के लिए बचाओ-बचाओ पुकारा। पड़ोसियों ने जालियां तोड़कर सीढ़ी लगाई, जिसके सहारे चारों किसी तरह बाहर निकल पाए।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच राष्ट्रपति ने की श्रीराम यंत्र की स्थापना

अयोध्या, दोपहर मेट्रो

अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आज एक नए इतिहास का साक्षी बना। राष्ट्रपति ने पूरे विधि-विधान से श्रीराम यंत्र की स्थापना में भाग लिया। वैदिक मंत्रों के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राम मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की पूजन के बाद स्थापना की। वैदिक आचार्यों ने पूजन सम्पन्न करवाया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, सदस्य जगदुरु विश्व प्रसन्न तीर्थ और

तीन आचार्य उपस्थित रहे। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अयोध्या पहुंचकर राम मंदिर के द्वितीय तल पर राम दरबार के दर्शन किए और आरती उतारी। इसके बाद श्रीराम यंत्र का पूजन किया। राष्ट्रपति अयोध्या पहुंचने पर उनका पारंपरिक अंदाज में स्वागत हुआ। इस दौरान प्रशासन पूरी तरह चाकचौबंद नजर आया। उन्होंने जगतगुरू आद्य शंकराचार्य द्वार से रामनगरी में प्रवेश किया। इस आयोजन के लिए केरल की माता अमृतानंदमई अम्मा जी अपने करीब एक हजार भक्तों के साथ अयोध्या पहुंची है। श्रीराम मंदिर के निर्माण में करीब 6000 लोगों का योगदान रहा है जिनमें से करीब 2000 लोग आज के इस कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। ऐसे लोग जो 1984 से ही राम मंदिर आंदोलन से जुड़े रहे हैं वो भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

नोरा और संजय दत्त को भेजा समन

'सरके चुनर' गाने पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने 'सरके चुनर तेरी सरके' गाने में अश्लीलता और अभद्रता के आरोपों से संबंधित मीडिया रिपोर्टों पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले में अभिनेत्री नोरा फतेही, रकीब आलम, अभिनेता संजय दत्त, वेंकट के. नारायण (निर्माता, केवीएन समूह) और किरण कुमार (निर्देशक) को आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए समन जारी किया है। आयोग का कहना है कि पहली बार देखने पर ये गाना यौन उत्तेजक और आपत्तिजनक प्रतीत होता है। - पेज 7 भी देखें

मेट्रो एंकर | प्रचार - प्रसार के भुगतान का विवाद, कारोबारी ने लगाया था कंटेंट क्रिएटर पर आरोप

सोशल मीडिया पर 'बुली' या 'गैर-पेशेवर' कहना मानहानि नहीं- कोर्ट

नईदिल्ली. एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी को सिर्फ बुली या गैर-पेशेवर कहना मानहानि नहीं है। तीस हजारी कोर्ट के जिला जज अरविंद बंसल ने कहा, कोर्ट मानहानि कानून की आड़ में सोशल मीडिया पर की गई आलोचना की उचित बातों को खारिज नहीं कर सकती। इसके साथ ही अदालत ने एक कारोबारी विदुर कनोडिया द्वारा सोशल मीडिया प्रोफेशनल लक्षिता जैन के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे को खारिज कर दिया। लक्षिता ने इंस्टाग्राम पर स्टोरीज डालकर कनोडिया को बुली और गैर-पेशेवर बताया था। जिला जज ने कहा कि मामले से जुडी सोशल मीडिया पोस्ट किसी मानहानि वाले काम के बजाय एक कारोबारी विवाद से जुड़ी बातें लगती हैं।

कई फूड वेंचर्स से जुड़ा एक रेस्टोरेंट चलाने वाले कनोडिया ने आरोप लगाया कि लक्षिता जो एक सोशल मीडिया एजेंसी चलाती हैं, को उन्होंने कंटेंट क्रिएशन के जरिए रेस्टोरेंट का प्रचार करने के लिए रखा था। काम के दौरान होने वाले भुगतान को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद लक्षिता ने इंस्टाग्राम पर स्टोरीज डालकर कनोडिया पर पेमेंट न करने और छोटे कारोबारी का शोषण करने का आरोप लगाया। इससे नाराज़ होकर कनोडिया ने 50 लाख रुपये के हर्जाने और कोर्ट से यह आदेश देने की मांग की कि उन पोस्ट्स को हटा दिया जाए और भविष्य में भी ऐसी कोई मानहानि वाली सामग्री अपलोड न की जाए। मुकदमा खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि कनोडिया यह बताने में नाकाम रहे कि उनके बीच किन शर्तों पर सहमति बनी थी। कोर्ट ने कहा कि जिस संदर्भ में मुकदमे में बुली शब्द का जिक्र किया गया, सोशल मीडिया की दुनिया में, जहां वादी और उसका रेस्टोरेंट खुद को पेड प्रमोशन के लिए पेश करते हैं, उन्हें नकारात्मक राय और विचारों के लिए भी खुद को खुला रखना चाहिए।

बेईमानों के लिए खुलेंगे दरवाजे

कोर्ट की राय में बुली या गैर-पेशेवर जैसे शब्दों का इस्तेमाल न तो अपमानजनक है और न ही मानहानिकारक। वादी द्वारा उठाए गए इस तरह के दावे को स्वीकार करने से ऐसे बेईमान मुकद्दमेबाज़ों के लिए दरवाजे खुल जाएंगे, जो हर उस टिप्पणी या पोस्ट के लिए मुकद्दमा शुरू कर देंगे जो उन्हें पसंद नहीं है, या जो उनकी अपनी व्यक्तिगत समझ में केवल अपमानजनक है। कोर्ट ने आगे कहा कि वह भारतीय संविधान के तहत गारंटीकृत बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और किसी व्यक्ति की अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के अधिकार के बीच संतुलन बनाने के लिए कर्तव्यबद्ध है।

मां काली का आगमन

चैत्र नवरात्रि पर अशोका गार्डन में मां काली का दिव्य आगमन हुआ। संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा है। जयकारों की गूंज, दीपों की आभा और श्रद्धालुओं की उमंग इस क्षण को और भी अलौकिक बना रही है।

नवरात्रि और नववर्ष की शुरुआत, मंदिरों में सुबह से उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

भोपाल। भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2083 और चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस गुरुवार सुबह शहर के मंदिरों में पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया। सुबह-सुबह श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिरों में उमड़ी, जहां मां शैलपुत्री की विधि-विधान से आराधना की गई। भक्तों ने घट स्थापना कर जवारे बोए और अखंड ज्योति प्रज्वलित कर नववर्ष का स्वागत किया। घट स्थापना के साथ ही मंदिरों और घरों में जवारे बोने तथा अखंड ज्योति प्रज्वलित करने की परंपरा निभाई जा रही है। आशिमा अनुपमा सिटी, जाटखेड़ी स्थित श्री शिव नारायण मंदिर में चैत्र नवरात्रि महोत्सव के तहत नव संवत्सर 2083 का स्वागत भक्ति और उल्लास के साथ किया जा रहा है। प्रात:काल सूर्य दर्शन और शंखनाद के साथ नववर्ष का शुभारंभ हुआ। श्री गणेश मंदिर समिति और मराठी मंडल के संयोजक मोहनराव देखमुख के अनुसार मंदिर परिसर में 31 फीट ऊंची गुड़ी स्थापित की गई, जो मराठी परंपरा का प्रमुख आकर्षण थी। महाराष्ट्र समाज, तुलसी नगर में अध्यक्ष संजय पाटिल के नेतृत्व में पंचांग पूजन कर नववर्ष का स्वागत किया। गायत्री शक्तिपीठ में प्रमुख रामनिवास शर्मा के मार्गदर्शन में साधक सामूहिक सूर्य अर्घ्य अर्पित कर आध्यात्मिक साधना के साथ वर्षारंभ किया गया। अरेरा कॉलोनी स्थित दत्त मंदिर में सुबह 10 बजे नवीन ध्वज चढ़ाने की परंपरा निभाई गई। नवरात्रि के साथ शुरू हो रहे इस नववर्ष को लेकर शहर में धार्मिक उल्लास का माहौल है। मंदिरों में विशेष सजावट की गई है। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी पड़ी।

ऑरेंज लाइन के प्रायोरिटी कॉरिडोर में एक भी जगह वाहन खड़ा करने की जगह नहीं

पांच मेट्रो स्टेशन के नीचे बनेगी पार्किंग, 14 नई पार्किंग का प्रस्ताव भी आएगा, शहर सरकार का बजट 23 को

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल की शहर सरकार का बजट 23 मार्च को पेश होगा। अबकी बार करीब साढ़े 3 हजार करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित है। टैक्स बढ़ाने को लेकर फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया गया है। पिछले साल टैक्स बढ़ने की वजह से मंत्री-विधायकों ने टैक्स बढ़ाने पर आपत्ति ली है। बैठक में 14 नई पार्किंग को लेकर प्रस्ताव आएगा। इनमें से 5 पार्किंग मेट्रो स्टेशन के नीचे प्रस्तावित की गई है। जहां 40 फोर व्हीलर और 250 टू व्हीलर्स खड़े किए जा सकेंगे। 16 मार्च को हुई मेयर इन कौंसिल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई थी। अब परिषद में यह प्रस्ताव आएगा। पार्किंग को लेकर निगम ने पुलिस की भी सहमति ली है।

मेट्रो स्टेशन बने, लेकिन पार्किंग नहीं बनाई: बता दें कि भोपाल मेट्रो की ऑरेंज लाइन का प्रायोरिटी कॉरिडोर 6.22 किलोमीटर लंबा है। इसमें कुल 8 स्टेशन- सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, एमपी नगर, रानी कमलापति, डीआरएम तिराहा, अलकापुरी और एम्स शामिल हैं।

इनमें से एक भी स्टेशन पर पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से यात्रियों को अपनी गाड़ियां खड़ी करने के लिए मुश्किलें झेलनी पड़ रही है। मेट्रो स्टेशनों पर सिर्फ पिक एंड ड्रॉप की व्यवस्था ही है। यानी, यात्री किसी गाड़ी से उतर और चढ़ तो रहे हैं, लेकिन वे अपने वाहन यहां खड़ा नहीं कर सकते। इस मुद्दे पर मेट्रो अफसर दो महीने से पार्किंग के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। नगर निगम ने इस समस्या का हल निकाला है। वहीं निगम के अनुपयोगी 145 वाहनों को कंडम घोषित कराए जाने के संबंध में भी प्रस्ताव परिषद की बैठक में आएगा। इसे भी एमआईसी मंजूरी दे चुकी है।

इन जगहों पर पार्किंग रहेगी

सुभाषनगर मेट्रो स्टेशन के दोनों गेट, केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, डीआरएम ऑफिस और अलकापुरी मेट्रो स्टेशन के नीचे पार्किंग बनेगी। एमपी नगर, रानी कमलापति और एम्स स्टेशन के नीचे फिलहाल को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। हालांकि, तीनों जगह पर दूसरी पार्किंग है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर ही बड़ी पार्किंग है। मेट्रो से आने-जाने वाले यात्री यहां पर अपनी गाड़ियां खड़ी कर रहे हैं। एम्स के पास मेट्रो की खुद की जमीन है। जहां पार्किंग विकसित होगी। एमपी नगर में ही निगम की एक पार्किंग है। यात्री वहां पर अपनी गाड़ियां खड़ी कर सकेंगे।

वेस्ट के निपटारे का प्रस्ताव

परिषद की बैठक में आदमपुर खंती लीगेसी वेस्ट के निपटान के लिए प्रस्ताव भी आएगा। दो दिन पहले एमआईसी ने इसे परिषद में लाने का निर्णय लिया था। इसमें 55.54 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

फिलहाल रसोई गैस में दिक्कत नहीं व्यावसायिक सिलिंडर पर असमंजस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एलपीजी संकट के 10वें दिन घरेलू गैस आपूर्ति की व्यवस्था पटरी पर लौट आई है। व्यावसायिक एलपीजी सिलिंडर होटलों-रेस्टोरेंट को उपलब्ध कराने के निर्देश के बावजूद आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाई है। किन होटलों-रेस्टोरेंट को उनकी जरूरत का 10 प्रतिशत गैस दिया जाना है, उसे लेकर प्रशासन असमंजस में है। जिला आपूर्ति नियंत्रक का कहना है कि इसकी पात्रता तय नहीं हो पाई है। जल्दी ही इसपर कोई निर्णय होगा।

बताया जा रहा है घरेलू गैस आपूर्ति को लेकर एचपी और भारत गैस की व्यवस्था सुचारू है। इंडेन की होम डिलिवरी व्यवस्था भी पटरी पर लौट आई है। सात-आठ दिन पहले गैस बुक कर सिलिंडर का इंतजार कर रहे लोगों तक बुधवार को खेप पहुंची। इससे लंबित मामलों और शिकायतों का निपटारा होने लगा है। शहर के साढे पांच लाख घरेलू गैस उपभोक्ताओं में से 65 प्रतिशत इंडेन के पास ही हैं। इसकी वजह से कंपनी पर दबाव भी अधिक है। बुकिंग का सर्वर अब भी पूरी तरह से क्रियाशील नहीं है। इसकी वजह से ऑफलाइन बुकिंग भी जारी है। इधर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने ऐसे अस्पतालों, सार्वजनिक उपक्रमों, सेना-पुलिस की कैंटीन और दीनदयाल रसोई की सूची बनाई है, जिन्हें तत्काल एलपीजी सिलिंडरों की जरूरत है। ऐसे करीब 40 संस्थाओं की सूची बनाकर मंजूरी के लिए भेजी गई है। इनको प्राथमिकता के आधार पर गैस दिया जाना है।

खाद्य आपूर्ति विभाग नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि सिलिंडरों की सप्लाई और बुकिंग में काफी हद तक सुधार हुआ है। कॉमर्शियल सिलिंडरों की खेप आना शुरू हो गई है। छोटे व्यवसायियों को जल्द ही कामर्शियल सिलिंडर मिलने लगेंगे।

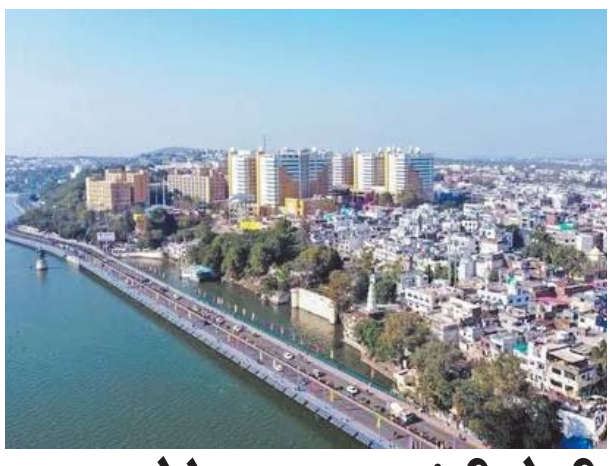

732 लोकेशन पर महंगी होगी प्रॉपर्टी, 63 सुझावों पर मंथन

23 को बैठक; विधायकों की कई मुद्दों पर आपत्ति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सांसद-विधायकों और आम लोगों की आपत्ति के बाद भोपाल की कुल 732 लोकेशन पर प्रॉपर्टी गाइडलाइन बढ़ाने का प्रस्ताव है। कुल 63 दावे-आपत्ति को लेकर मंथन जरूर हुआ है और कुछ को मान्य भी कर लिया, लेकिन उन जगहों को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई, जहां प्रस्ताव 181 प्रतिशत तक बढ़ाने का है। पंजीयन विभाग ने एक महीने के अंदर 100 लोकेशन और बढ़ा दी।

कमेटी ने अलार्क रेजीडेंसी की प्रस्तावित दरों को कम करने का सुझाव पास किया। वहीं, भौंरी की कृषि भूमि की दरों को बढ़ाए जाने या प्रचलित दरों अनुरूप रखे जाने के लिए और भूखंड की दरों को कम किए जाने का सुझाव दिया गया था। समिति ने इसे यथावत रखने का निर्णय लिया है। नूर-उस-सबाह रेजीडेंसी कोहेफिजा की ओर से प्रस्तुत सुझाव को अमान्य कर दिया गया। नगर निगम के वार्ड-74 स्थित महोली की मेयर कॉलोनी की प्रस्तावित दरों को प्रचलित गाइड लाइन की दर की श्रेणी में शामिल करने के सुझाव को मंजूर कर लिया गया। कृष्णा होम्स द्वारा भोजपुर रोड ग्राम दीपड़ी की दरों में वृद्धि प्रस्तावित नहीं करने का सुझाव दिया गया था। जिसे मंजूर कर लिया गया। गोल्डन सिटी जाटखेड़ी की प्रस्तावित दरें कम नहीं होगी। ग्राम अचारपुरा, परेवाखेड़ा, चांदपुर, मनीखेड़ी, अरवलिया, परवलिया, ईंटखेड़ी, इमालिया आदि क्षेत्रों में गाइड लाइन को भी नहीं बढ़ाने का फैसला लिया है।

री-ट्रांसफर को लेकर प्रस्ताव

क्रेडाई ने री-ट्रांसफर को लेकर सुझाव दिया था। इसमें अनुसार, महाराष्ट्र की तर्ज पर मध्य प्रदेश में भी कोई संपत्ति तीन वर्ष की अवधि के भीतर पुनः अंतरण (री ट्रांसफर) की जाती है तो संबंधित संपत्ति के पूर्व पंजीयन में जमा की गई स्टॉम्प ड्यूटी की राशि का समायोजन (इनपुट क्रेडिट) नवीन पंजीयन में प्रदान किया जाना चाहिए। इससे संपत्ति के बार-बार क्रय-विक्रय की स्थिति में नागरिकों एवं व्यवसायियों पर अनावश्यक आर्थिक भार नहीं पड़ेगा। वर्तमान व्यवस्था में एक ही संपत्ति पर अल्प अवधि में पुनः पूर्ण स्टाम्प ड्यूटी देना पड़ती हैं, जो व्यवहारिक एवं न्याय संगत नहीं है।

वाणिज्य प्रबंधक ने स्टेशन की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक अरविंद कुमार रजक ने बुधवार को भोपाल मंडल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन एवं नवनिर्मित मंडल नियंत्रण कार्यालय का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधन, स्वच्छता और स्टेशन विकास कार्यों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान रजक ने प्लेटफार्म, वेटिंग हॉल, टिकट काउंटर, एस्केलेटर, लिफ्ट, पेयजल, शौचालय, पार्किंग और यात्री सूचना प्रणाली जैसी सुविधाओं को देखा और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। स्टेशन की साफ-सफाई को लेकर उन्होंने सफाई कर्मियों की सराहना भी की। उन्होंने मेट्रो स्टेशन से कनेक्टिविटी का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को इसे और बेहतर बनाने के निर्देश दिए, जिससे यात्रियों को सहज और सुगम आवागमन मिल सके। इसके बाद उन्होंने मंडल कार्यालय में नवनिर्मित नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया और विभिन्न रेल खंडों की परिचालन व्यवस्था की समीक्षा की। वाणिज्य अधिकारियों के साथ बैठक कर यात्री सुविधाओं, मालभाड़ा और गैर किराया राजस्व जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रोहित मालवीय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम निवास में दिखाई दिया गुड़ी पड़वा का उत्साह

आक्रांता आए, पर हमारी हस्ती नहीं मिटी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सांस्कृतिक परंपरा, शुभता और नवचेतना का प्रतीक गुड़ी पड़वा हमें नए संकल्प लेने, अपने जीवन में लक्ष्यों को अपनाने और समृद्धि की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। गुड़ी पड़वा हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ता है। हमें एकता, सद्भाव और समृद्धि का संदेश देता है। यह दिन नए संकल्प लेने और सकारात्मक ऊर्जा के साथ जीवन को आगे बढाने का अवसर प्रदान करता है। चैत्र प्रतिपदा नव संवत्सर का यह पर्व प्रकृति की हरितिमा और नवजीवन का प्रतीक है। यह समय दो ऋतुओं का संधि काल है, जिसमें प्रकृति नया रूप धारण करती है। यह तिथि ऐतिहासिक भी है, इसी दिन सम्राट विक्रमादित्य ने विक्रम संवत का प्रारंभ किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समग्र मराठी समाज द्वारा मुख्यमंत्री निवास में नव वर्ष गुड़ी पड़वा पर्व के आरंभ के प्रतीक स्वरूप आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री का ढोल ताशें के साथ परंपरागत रूप में स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री का अभिनंदन करते हुए उन्हें पेशवाई टोपी पेश की। इसके साथ ही उन्हें पटका और प्रतीक स्वरूप छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को महाराष्ट्र मंडल, नई दिल्ली सहित इंदौर, जबलपुर, भोपाल, बीना, देवास, उज्जैन से आए समूहों ने गुड़ी भेंट की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मराठी साहित्य अकादमी की पत्रिका का अथर्वनाद का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछले सौ - डेढ़ सौ वर्षों से मराठी कला, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सम्मान भी किया।

मेट्रो एंकर रोजाना सौ कॉलोनियों में होती है बिजली कटौती

3.79 लाख स्मार्ट मीटर लगे, लेकिन बिजली चोरी नहीं रुकी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बिजली सप्लाई में सुधार के नाम पर शहर में अब तक 3.79 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, लेकिन अंडरग्राउंड केबलिंग से लेकर नेटवर्क में सुधार के अन्य कामों की गति बहुत धीमी है। नतीजा यह कि बिजली चोरी बदस्तूर जारी है और ईमानदार उपभोक्ता ट्रिपिंग से परेशान हैं। मेंटेनेंस और कंस्ट्रक्शन के नाम पर रोज 50-100 कालोनियों में 4-5 घंटे बिजली कटौती सामान्य बात बन गई है।

केंद्र की जिस रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत स्मार्ट मीटर लग रहे हैं, उसका उद्देश्य केवल स्मार्ट मीटर लगाना नहीं, बल्कि पूरे वितरण नेटवर्क को मजबूत करना है। योजना का घोषित लक्ष्य एटीएंडसी लॉस को 12-15 फीसदी तक लाना और 24म7 विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करना है। एटीएंडसी लॉस यदि 15 प्रतिशत से अधिक है तो माना जाता है कि या तो बिजली चोरी हो रही है या फिर लोग बिल जमा नहीं कर रहे हैं। साल 2021-22 में शुरू हुई आरडीएसएस को 2025-26 में पूरा हो जाना था, लेकिन सरकार ने इसे 2 साल के लिए और बढ़ा दिया है। समय में यह वृद्धि ही इस बात को साबित करती है कि योजना पिछड़ गई है। राजधानी में आरडीएसएस के तहत फीडर ऑग्मेंटेशन, अंडरग्राउंड केबल, नए सब स्टेशन निर्माण और नई बिजली लाइन बिछाने जैसे 200 करोड़ रुपए के काम चल रहे हैं। जहांगीराबाद जैसे इलाकों में चट्टान के कारण अंडरग्राउंड केबल नहीं बिछ पा रही है। यानी शहर में स्मार्ट मीटर लगाने का काम तो तेजी से हुआ, लेकिन 33केवी और 11केवी लाइन ऑगमेंटेशन, फीडर बाइफरकेशन और अंडरग्राउंड केबलिंग जैसे बुनियादी ग्रिड सुधार कार्य अपेक्षित गति नहीं पकड़ पाए।

इन इलाकों में समस्या अधिक:

शाहपुरा, कोलार, अरेरा कॉलोनी, शिवाजी नगर, एमपी नगर, इब्राहीमगंज, मंगलवारा, तलैया, अशोका गार्डन, रायसेन रोड सहित अन्य इलाकों में बार-बार ट्रिपिंग की शिकायतें आती हैं। बारिश और तेज हवा चलने पर पूरे शहर में बिजली व्यवस्था बिगड़ जाती है।

सुधार तो हुआ, लेकिन राह कठिन

पिछले दो साल के एटीएंडसी लॉस के आंकड़ों को देखें तो चोरी के लिए बदनाम नॉर्थ और ईस्ट डिवीजन में सुधार आया है, लेकिन राह अभी भी कठिन है। इन दोनों डिवीजन में चोरी वाले इलाकों में अंडरग्राउंड केबल का फायदा मिला है। इसके अलावा बिल जमा नहीं करने पर दफ्तर में बैठे-बैठे कनेक्शन काटने से बकायादार कम हुए हैं।

बिजली चोरी पर अंकुश लगा है, नेटवर्क में सुधार के काम जारी हैं

सिटी सर्किल जनरल मैनेजर प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि दो साल में पूरे शहर में लगभग ढाई प्रतिशत एटी एंड सी लॉस कम हुए हैं। सबसे ज्यादा चोरी वाले नॉर्थ और ईस्ट डिवीजन में काफी सुधार आया है। नेटवर्क में सुधार के काम जारी हैं। अगले एक साल में आपको और सुधार नजर आएगा।

विक्रम सम्वत् 2083

भारतीय नववर्ष

की हार्दिक मंगलकामनाएं

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

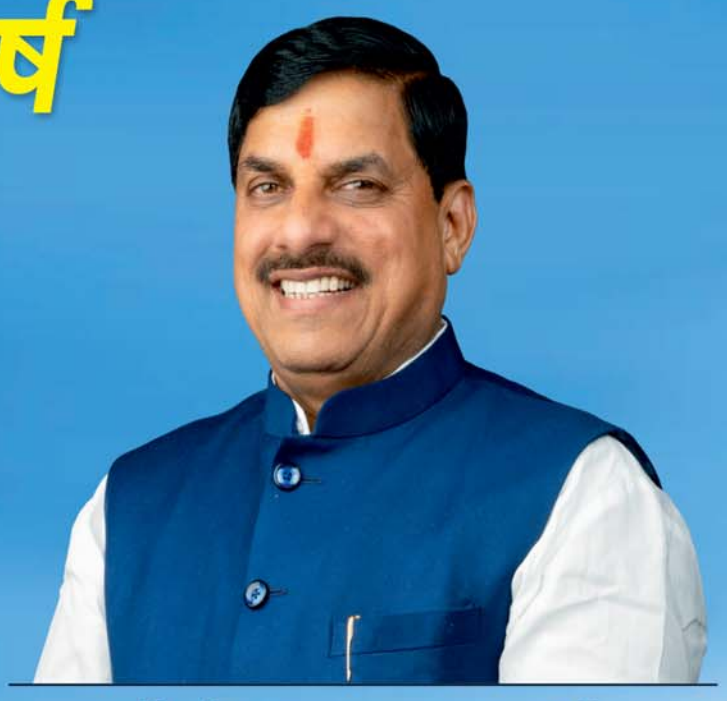

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

राज्यस्तरीय

जल गंगा संवर्धन अभियान

जनभागीदारी की अनूठी पहल का

तृतीय चरण : 19 मार्च से 30 जून 2026

शुभारंभ

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

इस्कॉन मंदिर, इंदौर

पिछले दो चरणों में 3.50 लाख से अधिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन के साथ
नए निर्माण कार्य, भू-जल स्तर में वृद्धि और खेतों के लिए संजीवनी साबित हो रहे हैं

आइये, सब जुड़ें

जब सब जुड़ेंगे, तब ही जल बचेगा, धरती बचेगी
आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित होगा

जनसम्पर्क द्वारा जारी

D11222/25

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

आकल्पना : म.प्र. माध्यम/2026

तेल, तनाव और ताकत

दुनिया की राजनीति इन दिनों किसी शतरंज की बिसात से कम नहीं लग रही- हर चाल सोची-समझी, हर मोहरा अहम और हर गलती महंगी। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच जारी टकराव ने 18वें दिन तक आते-आते जिस तरह वैश्विक समीकरण बदल दिए हैं, उसका सबसे बड़ा केंद्र बन गया है होर्मुज जलडमरूमध्य। यह संकरा समुद्री रास्ता आज दुनिया की ऊर्जा नसों को जकड़ने वाला 'चोक प्वाइंट' बन चुका है। तेल और गैस की सप्लाई पर पड़े इस असर ने कई देशों की नींद उड़ा दी है, लेकिन इस बेचैनी के बीच भारत ने एक ऐसा रास्ता निकाला है, जिसने सबको चौंका दिया है। जहां बड़े-बड़े देश अपने जहाजों को इस खतरनाक मार्ग से निकालने में हिचक रहे हैं, वहीं भारतीय टैंकर बेखौफ अंदाज में आगे बढ़ते दिख रहे हैं- जैसे तूफान के बीच कोई नाविक मुस्कुराते हुए दिशा तय कर रहा हो। इस आत्मविश्वास के पीछे केवल किस्मत नहीं, बल्कि ठोस रणनीति है। भारतीय नौसेना की मजबूत मौजूदगी और सटीक तैनाती ने भारतीय जहाजों को एक तरह का 'सुरक्षा कवच' दे दिया है। इसके साथ ही भारत ने कूटनीतिक स्तर पर भी ऐसा संतुलन साधा है, जो आज के ध्रुवीकृत विश्व में दुर्लभ माना जाता है। ईरान से संवाद भी जारी, और अमेरिकाइजरायल से रिश्तों में भी गर्माहट- यह संतुलन साधना आसान नहीं, लेकिन भारत ने इसे संभव कर दिखाया है। दिलचस्प बात यह है कि जहां भारत इस संकट में अवसर तलाश रहा है, वहीं अमेरिका की स्थिति कुछ असहज नजर आ रही है। डोनाल्ड ट्रंप की अपीलों के बावजूद नाटो सहयोगी और अन्य देश इस संघर्ष में कूदने से बचते दिख रहे हैं। यूरोप का रुख साफ है- वे आग बुझाने की बात कर रहे हैं, उसमें घी डालने की नहीं। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक नया दृश्य उभर रहा है। एक ओर अमेरिका अपने सहयोगियों की झिझक से जूझ रहा है, तो दूसरी ओर भारत 'संतुलन के खिलाड़ी' के रूप में उभर रहा है। यूरोपीय मीडिया भी भारत की इस नीति को 'तर्क और तालमेल' का अनोखा मिश्रण बता रहा है। सबसे दिलचस्प मोड़ यह है कि अब कुछ देश भारत से मध्यस्थता की उम्मीद भी जताने लगे हैं। यानी जो देश कल तक केवल क्षेत्रीय शक्ति माना जाता था, वह आज वैश्विक संकट में 'संभावित समाधानकर्ता' के रूप में देखा जा रहा है। यह पूरा घटनाक्रम एक बड़े बदलाव की ओर इशारा करता है। अब दुनिया केवल ताकत के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि समझदारी, संतुलन और समय पर सही चाल चलने की क्षमता से प्रभावित होती है। और इस नई बिसात पर भारत ने यह साबित कर दिया है कि वह खिलाड़ी नहीं, बल्कि खेल को समझने वाला रणनीतिकार भी है।

नव संवत्सर गुड़ी पड़वा पर विशेष

उत्सवी दिनों को पूरी जिंदादिली से मनाने की परंपरा और संभावना के महासागर का मंथन

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा
स्तंभकार

हमारी गौरवमयी एवं समृद्ध सनातन सांस्कृति परंपरा के महान पर्व गुड़ी पड़वा, हिंदू नववर्ष पर सब तरफ हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होता हुआ दिखाई देता है। नववर्ष आगमन में प्रकृति ने नूतन साज श्रृंगार कर लिया है, चन्द्रमा की ओजपूर्ण किरणें वनस्पति जगत सहित हमारे तन मन को आप्लावित करने लगी है, कहीं किसी वृक्ष पर बैठी कोयल मीठे स्वरों में कुहुकने लगी है, गुलाब मोगरा, चमेली, आम, नीम, महुआ की मदमय सुगंध सुरभि जीवन को नई ऊर्जा, नई चेतना एवं नया आयाम देने लगी है, किंशुक सुमन ने अपने मनभावन ओर आग उगलते रंग से हमारे मनोभावों को उद्दीप्त कर दिया है और अमलतास एवं गुलमोहर का उन्मादित सौंदर्य सिर चढ़कर बोलने लगा है। नियति के ऐसे मनमोहक परिदृश्य को निहारते हुए अरण्य निवासी योवनाओं के प्रणय गीतों का गुंजायमान मद्धिम स्वर भी सुनाई देने लगा है। ऐसे रसमय वातावरण में लगता है कि सनातन संस्कृति के प्रतीक नव संवत्सर के स्वागत हेतु नियति नटी ने अपना वैभव लुटाना शुरू कर दिया है। अतः प्रकृति की इस वैभवी कृपा को प्रणाम करते हुए, नव संवत्सर 2083 का हर्षोल्लास पूर्वक स्वागत अभिनन्दन किया जाना चाहिए।

उत्सव प्रधान हमारे देश में उत्सवी दिनों को पूरी जिंदादिली से मनाया जाता रहा है, और चूंकि हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा हमारी गौरवमयी एवं समृद्ध सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व है, इसलिए गुड़ी पड़वा पर हमारी उत्सव धर्मिता की अभिव्यक्ति भी स्वाभाविक ही है। हिंदू नववर्ष के शानदार आगाज से अंतर्मन आनंद की उन्मादकारी सीमाओं को छू लेने को आतुर है, ऐसे रंगारंग उत्सवी माहौल में हमारी सांस्कृतिक परंपराएं भी हमें अपने महाभावों को अभिव्यक्त करने हेतु प्रेरित करती है। अतः महान आध्यात्मिक वैभव से युक्त पंचाक्षर 'नमः शिवाय' और सनातन आध्यात्मिक संस्कृति के महानतम वंदनीय वाक्यों ''जय श्री राम' और जय श्री 'कृष्ण' के महाबोधि संबोधन से हम समवेत स्वरों में सनातन संस्कृति के महापर्व नववर्ष 2083 गुड़ी पड़वा का स्वागत अभिनन्दन करते हुए नववर्ष के आगमन पर विश्व में शांति और सभी प्राणियों के कल्याण के निमित्त अति प्रासंगिक एवं समीचीन यह शुभमङ्गलकामना करते हैं, कि 'सभी सुखी हों, सभी निरोगी हों, सभी का जीवन मंगलमय हो, और किसी को भी कोई दुःख न हो।'

'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः,सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दुःख भागभवेत्।'

जीवन में आगे बढ़ते हुए कदाचित् ऐसे से मोड़ भी आते हैं जब धैर्य ही हमारा आदर्श मित्र साबित होता है, क्यौकि धैर्यहीनता ही एक ऐसी बेड़ी है, जो हमारे कदमों को बरबस ही थाम लेती है, तब दिखाई दे रही मंजिल भी सहसा ही दूर दिखाई देने लगती है, और तब उस गतिमान समय की परिधि में आबद्ध हम लोग सहसा ही विचलित हो कर नियति पर नाराज हो जाते हैं, और तब व्यथा की विपरीतता में कह उठते हैं कि एक एक क्षण पहाड़ बन गया है, और जब खुशी का अवसर मिलता है तो कहने लगते हैं कि समय कितना जल्दी व्यतीत हो गया, ऐसा लगता है कि जैसे बात आजकल की ही हो, किंतु वह क्षण न तो पहाड़ की मानिंद था, और न ही चींटी द्वारा ले जाए जा रहे एक महीन कण की तरह अतिलघु ही था, वक्त का वह कतरा परिंदे की तरह आसमान को अपने आगोश में भर लेने के कथित मानसिक भावों से युक्त भी नहीं था, वास्तविकताओं में हमने ही उसे अपने संकीर्ण सुख-दुःखों से, हानि लाभ से या फिर जय-पराजय से संयुक्त कर दिया था, शायद इसीलिए वह शुचि वक्त अच्छा या खराब नाम पा गया। दरअसल वह कालचक्र के परिक्रमा पथ का एक नन्हा सा हिस्सा था, समय का वह एक कतरा था, जिस पर दौड़ते हुए हम कभी उत्कर्ष पर पहुंचे थे, और वह भी समय का ही एक कतरा था, जिस पर चलते हुए कदाचित हम लड़खड़ाते हुए गिर पड़े थे, और तब उस गतिमान शुचि समय को हमारे ही द्वारा कई संज्ञाओं से विभूषित कर दिया गया था, जबकि समय के उसी प्रवाह ने अन्य अनगिनत लोगों को अमृत तत्व से अभिसिंचित भी किया। निश्चित तौर पर उस एक ही समय को देखने का हमारा नजरिया तात्कालिक लाभ हानि के अल्पकालिक प्रवाह से ही संयुक्त था, शायद इसीलिए अनुभूतियां भी पृथक पृथक रूप ग्रहण कर गई।

समय के उसी महावैभवी पथ पर एक तरफ जहां फूलों की सौंदर्य सुरभि समाई है, वहीं कंटक भी बिखरे पड़े हैं। यह वही पथ है जो एकबारगी हमें लहूलुहान कर देता है, किंतु संभावनाओं का अनन्त सागर भी तो वहीं से आकार ग्रहण करता है। यही है वह अरण्यपथ जो कठिन है, किंतु असीम संभावनाओं एवं उपलब्धियों से युक्त भी है। शायद यही है वह उपलब्धियो से ओतप्रोत रास्ता जिस पर चलते हुए दुविधाओं की सड़ांध समाप्त हो जाती है, और उद्देश्य पूर्ण यात्रा के फूल खिलते हुए दिखाई देते हैं, किंतु हमें यह समझना होगा कि यात्रा की इस सुख सुरभि में कांटों की वेदना भी समाई होती है, इसलिए प्रत्येक कदम सम्हाल कर रखने की जरूरत पेश आती है, क्योंकि कठिन कंटकाकीर्ण मार्ग को, अरण्यपथ को चुन लिया है जिसने, परीक्षाओं के सिलसिले उसके समक्ष कतारबद्ध खड़े नजर आते ही हैं। सफलताओं के ये आसान से लगने वाले रास्ते परीक्षाओं की वह पूर्व दिशा है, जिसे बादलों ने आच्छादित कर रखा है, किंतु सतत प्रयासों रुपी पुरुषार्थ उन्हें छिन्न भिन्न कर देता है, ओर सफलता रुपी स्वर्णिम प्रभात की नूतन रश्मियां प्रस्फुटित हो ही जाती है। कठिनाइयों के उन बेतरतीब सिलसिलों से होकर ही सफलताओं के महाद्वार खुलते हैं। यही है, वह दिव्यतम सुख की अनुभूति का महाद्वार, जहां से आसमानी बुलंदियां हमारे स्वागत समारंभ हेतु तत्पर दिखाई देती है। यही है वह चिरंतन शाश्वत सत्य के अनुसंधान का पथ जहां पर आगे बढ़ जाने पर फिर होकर भी नहीं होने की विराट संभावनाएं दस्तक देने लगती है। यही है वह अमृत का महाकोश, युग युगान्तर से जिसे हम खोजते आए हैं, और जिसकी छत्रछाया ने अनगिनत मानवों को महामानव के रूप में स्थापित कर दिया है। आलोक पथ की ओर अग्रसर होते हुए तथा अपने कर्तव्य बोध, कर्मशीलता और राष्ट्र हित के महाभावों को सर्वोपरि स्थान प्रदान करते हुए हम पुनः नव संवत्सर 2083 का स्वागत अभिनन्दन करते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

कम नहीं हो रहीं अमेरिकी बाधाएं, किसी से भी अकेले लड़ने में सक्षम होने की धारणा ख़त्म

डॉ. प्रभात ओझा
स्तंभकार

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाने वाला अमेरिका इसके अलावा भी कई कारणों से पहचाना जाता है। दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद से सुदृढ़ होती उसकी आर्थिक व्यवस्था ने उसे अत्यधिक मजबूत बनाया। अपने प्राकृतिक संसाधनों के बूते उसने विश्व बाजार में दावेदारी पक्की कर ली। आज अमेरिकी डॉलर के दबदबे और सैन्य शक्ति के प्रभाव में उसका जवाब नहीं। कमोबेश यही स्थिति इजराइल की है, जो अपनी कुशल आधुनिक सेनाओं और खुफिया एजेंसी मोशाद के लिए प्रसिद्ध है। किसी भी आपात स्थिति से मुकाबले के लिए यहां आम नागरिकों के लिए भी सैन्य प्रशिक्षण इस देश को विशेष बनाता है। दुनिया की ऐसी दो बड़ी ताकतें एक साथ मिलकर लंबे समय से कई तरह के प्रतिबंध झेल रहे ईरान पर हमला करें, तो सहज परिणाम की कल्पना की जा रही थी। युद्ध के खिंचते चले जाने से यह धारणा टूटने लगी कि सोवियत संघ के बिखराव के बाद विश्व अमेरिका के पीछे एकध्रुवीय हो गया है। ईरान के साथ युद्ध के 14 वें-15वें दिन अमेरिका ने खुद दुनिया के देशों से एक अपील कर इस धारणा को खत्म कर दिया कि वह किसी से भी अकेले लड़ने में सक्षम है।

राष्ट्रपति ट्रंप की इस अपील में अमेरिका की लाचारी झलकने लगी कि साथी देश होर्मुज जलडमरू क्षेत्र को खुला, सुरक्षित और स्वतंत्र बनाने में सहयोग करें। ईरान के साथ इजराइल और अमेरिका के संघर्ष के चलते इस क्षेत्र से तेल और गैस आपूर्ति रुक गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर ट्रंप ने इस तरह की अपील ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया सहित चीन से भी कर डाली। यह अपील ऐसे समय आई, जब कहा जा रहा था कि ईरान के पीछे चीन भी कई तरीकों से खड़ा है। अमेरिका की बौखलाहट को उसकी ओर से ईरान के खार्ग द्वीप पर किए हमले से समझा जा सकता है। ईरान के तेल का करीब 90 फीसद यहीं से निर्यात होता है। ईरान ने दावा किया कि अमेरिका हमले में तेल के बुनियादी ढांचे पर फर्क नहीं पड़ा। देखने की बात है कि इस हमले का वैश्विक तेल बाजार पर कितना असर होगा। भले तेल के बुनियादी ढांचे पर फर्क न पड़े, पर सैन्य तनाव तेल आपूर्ति में बाधक ही होगा।

दो हफ्ते से भी अधिक समय तक ईरान भी अमेरिकी और इजराइली हमलों का माकूल जवाब देता हुआ लगा। उन खाड़ी देशों में भी हमले हुए जहां अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बना रखे हैं। कतर, कुवैत, सऊदी अरब, यूएई और बहरीन में मिसाइल, ड्रोन या इंटरसेप्शन के मामले दिखे। इन देशों ने सुरक्षात्मक स्थिति बनाए रखना सही समझा। समय के साथ उनका अमेरिका पर भरोसा खत्म हो जाए तो इसमें आश्चर्य नहीं। अपनी दुर्गति देख अमेरिका ईरान से वापसी का फैसला कर ले, तो यह आश्चर्य की बात नहीं होगी। वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़कर अमेरिका ले आना लोगों को याद है। इस ताजा घटना के बाद मानवाधिकारों के उल्लंघन, हत्याओं के दोषी और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे मामलों में निकोलस पर अमेरिका में ही मुकदमा चल रहा है। उनकी पत्नी पर मादुरो को सहयोग करने के आरोप हैं। दोनों को किस तरह की सजा मिल सकती है, इस पर वर्ल्ड मीडिया को कोई शक नहीं है। यह जरूर है कि अमेरिका अब भारत सहित कई देशों को वेनेजुएला से तेल खरीदवाने की नीति पर काम कर रहा है। रूस से तेल लेने की कथित छूट की उसने समय सीमा तय करने का दावा किया। अब ईरान पर हमले में इजराइल के साथ उतरने का अमेरिकी मकसद भी आर्थिक अधिक है। हालांकि उसे वेनेजुएला जैसी सफलता नहीं मिल सकी है। दुनिया में अमेरिका के कुछ प्रमुख सैन्य अभियान पहले भी असफल हो चुके हैं अथवा उसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। इराक का मामला लोगों के जेहन से शायद उतर गया हो। वर्ष 2003 में इराक में उसके दखल से बाथ पार्टी की सरकार जरूर गिर गई। तीन साल के अंतराल पर 2006 में बगदाद के उत्तरी उपनगर काजिमैन के इराकी-अमेरिकी संयुक्त सैन्य अड्डे 'कैंप जस्टिस' में सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी गई थी। इसके बावजूद सब कुछ अमेरिका के अनुकूल नहीं रहा। साल 2011 में वापसी के बाद 2014 में उसे फिर से इराक में दखल देना पड़ा था।

ऐसी प्रमुख घटनाओं में इसके पहले 1975 में वियतनाम युद्ध के बीच अमेरिका को अपनी सेनाएं वापस बुलानी पड़ी थी, तो अफगानिस्तान में तो लगभग दो दशक तक काबिज रही अमेरिकी सेनाएं 2021 में वापस आने को मजबूर हुईं। इन प्रमुख देशों के अतिरिक्त अन्य कई जगह अमेरिकी सेना उतारी गई, पर सामान्य तौर पर इस कवायद में मनोनुकूल सफलता नहीं मिली। कुछ विश्लेषक कहते हैं कि अमेरिका इस धारणा को तोड़ना चाहेगा। इसलिए वह अपनी सेनाओं को सीधे ईरान की धरती पर नहीं उतारना चाहता। कुछ और दिनों तक ईरान के सुदृढ़ आर्थिक ठिकानों को वह निशाने पर रखेगा। सुप्रीम लीडर को मारने के बावजूद अमेरिका के हाथ पूरी सफलता नहीं लगी। फिर ईरान की आर्थिक कमर तोड़ने और परमाणु क्षमता समाप्त करने का दावा करते हुए उसके अपना मकसद पूरा होने की घोषणा करने की उम्मीद जरूर बंधी। आखिर व्हाइट हाउस के एआई और क्रिप्टो प्रमुख डेविड ने भी तो यही सलाह दी। डेविड का कहना था कि यह अमेरिका के लिए अच्छा मौका है, जब वह अपनी जीत बताते हुए ईरान से निकल आए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

40 की उम्र के बाद महिलाओं में दांतों की ख़ास समस्याएं, नियमित चेकअप जरूरी

अक्सर माना जाता है कि मेनोपॉज केवल हार्मोनल बदलाव से जुड़ा होता है, लेकिन इसका असर शरीर के कई हिस्सों पर पड़ता है, जिनमें मुंह और दांत भी शामिल हैं। 40 की उम्र के बाद महिलाओं में दांतों और मसूड़ों की समस्याएं बढ़ने का एक बड़ा कारण मेनोपॉज के दौरान एस्ट्रोजन हार्मोन का कम होना है। विटामिन डी युक्त भोजन, पर्याप्त पानी, ओरल हेल्थ केयर और नियमित डेंटल चेकअप से महिलाएं बढ़ती उम्र में अपने दांतों का ध्यान रख सकती हैं।

मेनोपॉज के दौरान शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम हो जाता है। इसका असर लार के बनने पर भी पड़ता है, जिससे मुंह सूखने लगता है और दांतों को प्राकृतिक सुरक्षा कम मिलती है।मेनोपॉज के दौरान हार्मोन्स के कारण कई महिलाओं को दांतों से जुड़ी तकलीफें होने लगती हैं। शरीर में कैल्शियम की कमी होने से हड्डियां और दांत कमजोर होने लगते हैं। इस लेख में हम बता रहे हैं कि मेनोपॉज के बाद महिलाओं में दांतों की समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं और इनसे कैसे राहत पाई जा सकती है।

लार कम होने से दांतों की समस्या: मेनोपॉज के दौरान महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी के कारण मुंह में लार कम बनती है। एस्ट्रोजन हार्मोंस लार ग्रंथियों को हेल्दी रखने और मुंह में नमी बनाए रखने में सहायक है। लार मुंह को बैक्टीरिया से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब लार कम बनने लगती है तो दांतों में सड़न और संवेदनशीलता की समस्या बढ़ सकती है। इसी कारण महिलाओं में दांतों में सड़न और दांतों की सेंसिटिविटी बढ़ने के मामले बढ़ सकते हैं।

बर्निंग माउथ सिंड्रोम की समस्या: मेनोपॉज के दौरान कई महिलाओं को बर्निंग माउथ सिंड्रोम की समस्या होने लगती है। ऐसा एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी के कारण होता है। इसमें जीभ, होंठ, या पूरे मुंह के अंदर जलन महसूस होती है। साथ ही स्वाद में बदलाव, मुंह सूखना या असामान्य संवेदनशीलता जैसी तकलीफें भी होने लगती हैं। इस स्थिति में हेल्थ एक्सपर्ट से अपनी जांच और उचित इलाज कराना जरूरी है। सबसे पहले अपना डेंटल चेकअप कराएं। इसके साथ ही अपनी लाइफस्टाइल और डाइट बदलें। मसालेदार और एसिड बनाने वाले फूड से परहेज करें। फल, हरी सब्जियां, मोटा अनाज और डेयरी प्रोडक्टस को अपनी डाइट में शामिल करें। इससे मेटाबॉलिज्म अच्छा रहता है। दांतों में सेंसिटिविटी बढ़ रही है तो चाय-कॉफी, सोडा आदि न पिएं। सलाइवा कम बन रहा है तो ड्राई माउथ की समस्या से बचने के लिए खूब पानी पिएं। कुछ आसान उपाय अपनाकर मेनोपॉज के दौरान दांतों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

सुविचार

जिंदगी खुद को ढूंढने में नहीं, बल्कि जिंदगी तो खुद को बनाने में है।
-अज्ञात

निशाना

यूं ही उदास रहने दो...

दिनेश मालवीय 'अश्क'

अपना कुछ मेरे पास रहने दो
मुझको यूँ ही उदास रहने दो।
आप सूरज रखो कहीं जाकर
मुझमे मेरा उजास रहने दो।
मुझको शामिल करो न संतों में
उनका दासानुदास रहने दो।
मित्र सब ही तो हो नहीं सकते
शत्रु भी दस-पचास रहने दो।
अपनी ही आग मे जल जाऊँगा मैं
अपने तुम 'सद्प्रयास' रहने दो।
इसमें इक याद बसी मीठी-सी
दिल में गहरी ये फांस रहने दो।
तुम किसी दिन चले नहीं आना
दिल मे कोई तो आस रहने दो।
इसने बरबाद किया क़ुदरत को
छोड़ दो, यह विकास रहने दो।

टेक्नो अपडेट

चीन में खुले रोबोट्स के 'स्कूल', घर के काम और फैक्ट्री की ड्यूटी करने की मिल रही ट्रेनिंग

अभी तक आपने चीन के बारे में सुना था कि वह ह्यूमनॉइड रोबोट्स बनाता है। अब चीन ह्यूमनॉइड रोबोट्स को ट्रेनिंग देने के लिए स्कूल भी चला रहा है। ह्यूमनॉइड रोबोट्स को वास्तविक दुनिया में लाने के लिए चीन तेजी से प्रयास कर रहा है। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने रोबोट्स के स्कूल चला रहा है। इन स्कूल में रोबोट्स को दुनिया भर के विभिन्न काम करने के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। चीन का उद्देश्य अगली पीढ़ी के रोबोटिक्स को आइडिया या लैब के एक्सपेरिमेंट से बाहर निकालर एक ऐसा प्रोडक्ट बनाना है, जिसे लोग खरीद और उपयोग कर पाएं। चीन ने यह कदम फरवरी, 2026 की शुरुआत में 'स्प्रिंग फेस्टिवल गाला' में अपनी ह्यूमनॉइड तकनीक को पेश करने के बाद उठाया। अनहुई, झेजियांग और शैंडोंग चीन के औद्योगिक इलाके रोबोट्स को सिर्फ प्रयोगशाला तक सीमित नहीं रखना चाहते हैं। ये रोबोट्स को असली दुनिया के कामों में उतारने के लिए तेजी से आगे बढ़े रहे हैं। इसलिए वे रोबोट्स को ट्रेनिंग देने के लिए सेंटर स्थापित कर रहे हैं।

ट्रे उठाने, कपड़े मोड़ने की मिल रही ट्रेनिंग: अभी शैंडोंग में एक ट्रेनिंग सेंटर दर्जनों ह्यूमनॉइड्स को ट्रे उठाने, कपड़े मोड़ने और शेल्फ से पानी लाने जैसे बेसिक कामों के लिए ट्रेनिंग दे रहा है। दूसरे एआई फील्ड की तुलना में रोबोट्स को ट्रेनिंग देने के लिए कहीं ज्यादा मुश्किल डेटा की जरूरत होती है। जहां ट्रेडिशनल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल्स को ट्रेनिंग देने के लिए टेक्स्ट या तस्वीरों का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं, इससे अलग ह्यूमनॉइड रोबोट्स को ट्रेनिंग देने के लिए जरूरी डेटा ऑनलाइन नहीं मिल सकता। इसे मशीनों के साथ सीधे बातचीत करके ही बनाना पड़ता है।

डेटा में होती हैं ये जानकारियां: इस डेटा में जोड़ों की हलचल, रफ्तार, घुमाव, विजुअल इनपुट, छूने का एहसास, दबाव और ताकत के बारे में जानकारी होती है। आमतौर पर हजारों वर्ग मीटर में फैले बड़े-बड़े स्थानों में दर्जनों रोबोट रखे जाते हैं। यहां इंसानी ऑपरेटर मशीनों के साथ मिलकर बार-बार आसान काम करते हैं, ताकि जरूरी शारीरिक गतिविधियों से जुड़ा डेटा तैयार और रिकॉर्ड किया जा सके। हुबेई के एक सेंटर में करीब 100 इंसानों जैसे दिखने वाले रोबोट रखे गए हैं। ये रोबोट बार-बार कपड़े मोड़ने, प्रेस करने और मेज साफ करने जैसे घरेलू काम करते हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि उनके काम करने के तरीके से बहुत सारा डेटा इकट्ठा किया जा सके। रोबोट ट्रेनिंग सेंटर्स ने रोबोटिक्स कंपनियों के लिए रेवेन्यू कमाने में मदद की है। जियांग्शी, गुआंग्शी और सिचुआन में तीन डेटा कलेक्शन सेंटर्स ने चीनी रोबोटिक्स कंपनी BTECH Robotics को 566 मिलियन युआन के ह्यूमनॉइड रोबोट बेचे। उम्मीद है कि ह्यूमनॉइड रोबोट सबसे पहले मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज जैसे कि ऑटोमोबाइल फैक्ट्रियों और लॉजिस्टिक्स में लाए जाएंगे। जहां पर कई काम बार-बार दोहराए जाने वाले होते हैं।

नॉलेज

काजू-पिस्ता नहीं, चिलगोजा है देश का सबसे महंगा ड्राई फ्रूट, कीमत 10 हजार रु किलो तक

अगर आप सोचते हैं कि काजू, बादाम या पिस्ता भारत के सबसे महंगे ड्राई फ्रूट हैं, तो आपकी जानकारी पुरानी हो चुकी है। ड्राई फ्रूट्स का असली बादशाह है चिलगोजा। हिमाचल प्रदेश के ऊंचे पहाड़ी इलाकों, खासकर किन्नौर जिले में उगने वाला यह दुर्लभ पाइन नट दुनिया के सबसे महंगे ड्राई फ्रूट्स में शुमार है। बाजार में इसकी कीमत 4,000 से 8,000 रुपये प्रति किलो तक आम है, जबकि प्रीमियम क्वालिटी या जंगली किस्म 10,000 रुपये किलो तक पहुंच जाती है। जो काजू से कई गुना महंगा है।

उगने में लगते हैं सालों: चिलगोजा, जिसे वैज्ञानिक नाम Pinus gerardiana से जाना जाता है, हिमालयी क्षेत्र की ठंडी और ऊंची चोटियों (2,500-3,300 मीटर) पर उगता है। इस पेड़ को फल देने में 20 से 25 साल लग जाते हैं। एक बार पेड़ पर कोन (cones) लगने के बाद भी उन्हें निकालना आसान नहीं होता है। ऊंची और खड़ी चट्टानों पर लगे इन कोन्स को हाथ से तोड़ना पड़ता है, जो बेहद जोखिम भरा और मेहनत वाला काम है। कोन को धूप में सुखाने, बीज निकालने और हाथ से छीलने में महीनों लग जाते हैं। यही वजह है कि इसका उत्पादन बहुत सीमित रहता है और कीमत आसमान छूती है।

लोकल मार्केट से हो रहा गायब: हिमाचल के किन्नौर और लाहौल-स्पीति जैसे इलाकों में स्थानीय आदिवासी समुदाय इसकी मुख्य कमाई का स्रोत मानते हैं। लेकिन अब समस्या गंभीर हो गई है। अवैध व्यापार के कारण चिलगोजा बाजार से गायब होता जा रहा है। तस्कर जंगलों से बड़े पैमाने पर चुरा कर इसे कम कीमत में बेच रहे हैं, जिससे स्थानीय किसानों को नुकसान हो रहा है।

पोषक तत्वों का खजाना: चिलगोजा सिर्फ महंगा नहीं, बल्कि पोषण का खजाना भी है। इसमें हेल्दी फैट्स, प्रोटीन, विटामिन ई, मैग्नीशियम, जिंक और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर होते हैं। यह हृदय स्वास्थ्य सुधारता है, इम्यूनिटी बढ़ाता है, वजन नियंत्रण में मदद करता है, त्वचा और बालों को फायदा पहुंचाता है। आयुर्वेद में इसे 'सुपरफूड' माना जाता है। लेकिन इतनी ऊंची कीमत के कारण आम आदमी की थाली से दूर रहता है। शहरों में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स जैसे फ्लिपकार्ट, अमेजन या लोकल ड्राई फ्रूट स्टोर्स पर 100 ग्राम पैक 500-900 रुपये में मिलता है, जबकि 1 किलो 5,000-8,000 रुपये तक। विशेषज्ञों का कहना है कि चिलगोजा की वैज्ञानिक खेती अभी संभव नहीं हो पाई है।

श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सिंहस्थ उज्जैन 2028

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

दिव्य और भव्य आयोजन की तैयारी

आस्था के सबसे बड़े समागम 'सिंहस्थ 2028' के लिए धर्मनगरी उज्जैन अभी से सजने लगी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जो स्वयं उज्जैन की माटी के पुत्र हैं, इस आयोजन को वैश्विक स्तर पर अब तक का सबसे व्यवस्थित और भव्य कुंभबनाने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का स्पष्ट विजन है कि यह आयोजन केवल एक धार्मिक मेला न होकर, भारत की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक प्रबंधन के मेल का उदाहरण बने।

डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शुरू हो गई तैयारियां

सिंहस्थ के सफल क्रियान्वयन के लिए डॉ. यादव ने बजट में ऐतिहासिक प्रावधान किए हैं। उनकी व्यक्तिगत रुचि का परिणाम है कि आयोजन से 4 साल पहले ही मुख्य बुनियादी ढांचों पर काम शुरू हो चुका है। शिप्रा नदी के शुद्धिकरण के लिए 'कान्ह क्लोज डक्ट' परियोजना हो या उज्जैन की कनेक्टिविटी को सुधारने के लिए हवाई और सड़क मार्ग का विस्तार, डॉ. यादव हर छोटी-बड़ी बारीकी की खुद निगरानी कर रहे हैं। तकनीक और परंपरा का संगम मुख्यमंत्री ने सिंहस्थ के लिए 'स्मार्ट मैनेजमेंट' पर जोर दिया है। इसमें एआई-आधारित क्राउड कंट्रोल सिस्टम, क्यूआर कोड आधारित यात्री सूचना केंद्र और हाई-टेक कंट्रोल रूम की योजना बनाई गई है।

मुख्यमंत्री का मानना है कि श्रद्धालुओं को न केवल अध्यात्म का अनुभव मिले, बल्कि उनकी यात्रा भी सुगम और सुरक्षित रहे। इसके लिए उज्जैन के साथ-साथ इंदौर, देवास और शाजापुर जैसे पड़ोसी जिलों के विकास को भी सिंहस्थ की योजना से जोड़ा गया है। अधोसंरचना का कायाकल्प डॉ. यादव के निर्देश पर उज्जैन को 'मेट्रोपॉलिटन सिटी' की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। सड़कों के चौड़ीकरण, नए पुलों के निर्माण और पार्किंग की विशाल व्यवस्था के लिए विशेष मास्टर प्लान तैयार किया गया है। श्रद्धालुओं की संख्या में होने वाली भारी वृद्धि को देखते हुए, स्थायी आवासों और धर्मशालाओं के निर्माण को प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि अंतिम समय में किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो।

यह कार्य भी हो रहे

- इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य।
- क्षिप्रा नदी के किनारे 50 से अधिक नए पक्के घाटों का निर्माण।
- महाकाल लोक के दूसरे चरण का विस्तार कर उसे मेला क्षेत्र से जोड़ना।
- साधु-संतों के लिए स्थायी आश्रम क्षेत्रों में बिजली-पानी की पक्की व्यवस्था।
- उज्जैन हवाई पट्टी को घरेलू हवाई अड्डे के रूप में विकसित करना।
- बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कर 'ग्रीन सिंहस्थ' की अवधारणा को साकार करना।
- आपदा प्रबंधन के लिए विशेष 'सिंहस्थ टास्क फोर्स का गठन।
- मेला क्षेत्र में 24X7 चलने वाले 100 बिस्तरों के अस्थायी अस्पतालों की योजना।
- श्रद्धालुओं के लिए 'क्यू-मैनेजमेंट सिस्टम' के जरिए सुगम दर्शन की व्यवस्था।
- विभिन्न भाषाओं के गाइडों और स्वयंसेवकों को विशेष प्रशिक्षण देना।
- कचरा प्रबंधन के लिए जीरो-वेस्ट मॉडल लागू करना।
- सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइटों का पूरे उज्जैन में विस्तार।
- अखाड़ों के लिए सर्वसुविधायुक्त विशेष 'अखाड़ा जोन' का निर्माण।
- हर 500 मीटर पर पोर्टेबल टॉयलेट और पेयजल एटीएम की उपलब्धता।
- प्रमुख चौराहों पर भारतीय संस्कृति को दर्शाते हुए भित्ति चित्रों का निर्माण।
- मेला अवधि के दौरान विशेष 'सिंहस्थ शटल बस' सेवा का संचालन।
- स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बड़े 'हस्तशिल्प हाट' का आयोजन।
- सीसीटीवी कमांड सेंटर के जरिए चप्पे-चप्पे पर नजर रखना।
- आपातकालीन निकास के लिए अलग से 'ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण।
- श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 10 भाषाओं में कॉल सेंटर की स्थापना।

शिप्रा का कायाकल्प

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिप्रा नदी के तटों के सौंदर्याकरण और जल की निर्मलता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। नदी में गंदे नालों का पानी मिलने से रोकने के लिए अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जा रहे हैं। घाटों की लंबाई बढ़ाई जा रही है ताकि लाखों लोग एक साथ स्नान कर सकें। उज्जैन के आसपास नए बैराज बनाकर शिप्रा में पूरे वर्ष जल का पर्याप्त स्तर बनाए रखने की योजना है।

लॉजिस्टिक्स और मोबिलिटी

सिंहस्थ 2028 के लिए कनेक्टिविटी को अभूतपूर्व स्तर पर ले जाया जा रहा है। इंदौर से उज्जैन के बीच 'वंदे मेट्रो' और हेलीकॉप्टर सेवाओं की रूपरेखा तैयार है। उज्जैन रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिससे इसकी क्षमता 10 गुना बढ़ जाएगी। बाहरी रिंग रोड का निर्माण अंतिम चरणों में है, जो भारी वाहनों को शहर के मुख्य मार्ग पर आने से रोकेगा और यातायात को सुगम बनाएगा।

डिजिटल और स्मार्ट सिंहस्थ

पहली बार सिंहस्थ में 'डिजिटल दर्शन' और 'वर्चुअल वेटिंग रूम' जैसी सुविधाएं दी जा सकती हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि एक मोबाइल ऐप विकसित किया जाए, जिसमें अखाड़ों की लोकेशन, पार्किंग उपलब्धता और आपातकालीन सेवाओं की रियल-टाइम जानकारी हो। पूरे मेला क्षेत्र को वाई-फाई जोन बनाया जाएगा और सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक फेशियल रिकॉग्निशन कैमरों का जाल बिछाया जा रहा है।

'स्व से सृष्टि' तक मंगल ही हमारा संकल्पः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राजस्थान के भीलवाड़ा में हरिशेवा उदासीन आश्रम के स्थानापति परमपूज्य श्री महामण्डलेश्वर स्वामी हंसरामजी महाराज की मौजूदगी में हुए सनातन मंगल महोत्सव, संत समागम एवं दीक्षा महोत्सव में शामिल हुए। राजा भलराज भील की नगरी भीलवाड़ा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वामी हंसरामजी महाराज से भेंटकर उनका सानिध्य और आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगल महोत्सव एवं संत समागम में देश-विदेश से आये विद्वतजनों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सबके मंगल की कामना करने वाली महान और गौरवशाली भारतीय संस्कृति के संवाहक हैं। हमारी संस्कृति का सूत्र वाक्य ही 'वसुधैव कुटुंबकम्' है। हमारा यही जीवन मूल्य हमें 'स्व के साथ पूरी सृष्टि' के कल्याण की प्रेरणा देता है। सनातन मंगल महोत्सव का आयोजन हमारी सर्व कल्याणकारी भावना की ही जीवंत अभिव्यक्ति है। खुद के लिए तो सब जीते हैं, संसार के सभी प्राणियों, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों-वनस्पतियों के कल्याण के जीवोमूल लक्ष्य के लिए जीना ही हम सबका परम सेवाधर्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें सेवा, समर्पण, विश्व बंधुत्व और सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की परोपकारी भावना में निहित हैं। सेवाभाव ही हमारी संस्कृति का प्राण है और जीवमात्र की सेवा ही श्रीहरि की सेवा है, सम्पूर्ण मानवता की सेवा है। उन्होंने कहा कि 'रा' से राजस्थान और 'म' से मध्यप्रदेश मिलकर 'राम' की महिमा बढ़ा रहे हैं। हमारी

सरकार राम और कृष्ण के जहां-जहां चरण पड़े, उन स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित कर रही है। हम श्रीरामचन्द्र गमन पथ और श्री कृष्ण पाथेय तैयार कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सामाजिक जीवन में नैतिक मूल्यों, करुणा, सद्भाव और समरसता के प्रसार में संतजनों की भूमिका निरापद रूप से अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। पूज्य हंसरामजी महाराज धर्म के सभी मूल्यों, भक्ति, सेवा, सत्य, अहिंसा को जीवंत रख रहे हैं। आश्रम के माध्यम से आपने हजारों असहायों को सहारा दिया। उन्होंने कहा कि मानव कल्याण के पुनीत उद्देश्य से हो रहे इस मंगल आयोजन में आकर वे बेहद गौरवान्वित हैं। संस्कृति से ही हमारी पहचान है। हमारी सरकारें जीवन मूल्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, पर्यावरण पर एकजुट होकर काम कर रही हैं। हमें संकल्प लेना होगा कि हम अपने बच्चों को वेद-पुराण पढ़ाएं, संस्कार दें, सेवा में लगाएं और धर्म की रक्षा करें। धर्म केवल पूजा नहीं, हमारी जीवन पद्धति है। सेवा से श्रीहरि मिलते हैं। भक्ति से मुक्ति मिलती है। इसलिए हम सब मिलकर संकल्प लें कि समाज में एकता लाएंगे, युवाओं को अच्छे संस्कार देंगे और भारत को एक बार पुनः विश्व गुरु बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धर्म का मंगल तभी संभव है, जब हम संतजनों के उपदेशों को अपने जीवन में भी उतारें। उन्होंने कहा कि धर्म हमारे जीवन का सार है, जो हमें बताता है कि हम कौन हैं, हमारा उद्देश्य क्या है और इस उद्देश्य के लिए हम किस दिशा में आगे बढ़ें। भगवान श्रीराम का गुरु वशिष्ठ से तथा श्रीकृष्ण का गुरु सांदीपनि से शिक्षा गृहण करना हमें गुरु-शिष्य परंपरा सिखाता है। आज हमें इन्हीं जीवन मूल्यों को पुनः स्थापित करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि सिंहस्थ कुंभ के माध्यम से उज्जैन को देशभर के साधु-संतों का आशीर्वाद मिलता रहा है। सनातन संस्कृति में हमारे बच्चे परिवार को अमरता प्रदान करते हैं। 'यत्र पिंडे-तत्र ब्रह्मांडे', जैसा हमारे पिंड में है वैसा ही ब्रह्मांड में है। संतों के माध्यम से करोड़ों साल से ज्ञान की गंगा प्रवाहित होती रही है। साधु-संतों के जरिए हमें देवताओं के दर्शन होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. ने कहा कि जब बृहस्पति ग्रह सिंह राशि में प्रवेश करते हैं, तब सिंहस्थ होता है।

सिंहस्थ में भीड़ प्रबंधन और विभिन्न चुनौतियों पर पुलिस की उच्चस्तरीय बैठक हुई

आगामी सिंहस्थ-2028 के सुरक्षित और सुचारू आयोजन के लिए रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन से उज्जैन में पुलिस विभाग द्वारा एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में आगामी सिंहस्थ की चुनौतियों, तैयारियों, भीड़ एवं यातायात प्रबंधन तथा बल और सामग्री प्रबंधन (लॉजिस्टिक्स) को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मंथन किया गया। सेमीनार का उद्घाटन डीजी ईओडब्ल्यू उपेंद्र जैन द्वारा किया गया। उन्होंने 2004 के संघर्ष के दौरान चुनौतियों और चुनौतियों के संबंध में की गई विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए अत्यधिक तकनीक के इस्तेमाल की आवश्यकता पर बल दिया।

यह सेमिनार प्रयागराज कुंभ के अनुभवों पर आधारित प्रशिक्षण अवधारणा के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों एवं एडीजी स्तर के अधिकारियों को फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया। सेमिनार में स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए स्थानीय संसाधन व्यक्तियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई, जिससे जमीनी स्तर के अनुभवों का प्रभावी आदान-प्रदान हो सके। साथ ही, आगामी समय में नवीन बैच के आईपीएस अधिकारियों तथा एएसपी/एसडीओपी स्तर के अधिकारियों को लक्षित करते हुए विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया, ताकि सिंहस्थ-2028 के दौरान सुरक्षा, यातायात एवं भीड़ प्रबंधन की चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटा जा सके।

सिंहस्थ 2016 के अनुभव व चुनौतियाँ

उज्जैन के पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा द्वारा सिंहस्थ-2028 के पूर्वानुमान एवं तैयारियों की आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला गया, उसके बाद उज्जैन जोन के आईजी श्री राकेश गुप्ता ने सिंहस्थ 2016 के अपने अनुभवों को साझा किएऔर आगामी चुनौतियों पर चर्चा की। इस आयोजन में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (TISS), मुंबई की डीन प्रो. मधुश्री शेखर द्वारा सॉफ्ट स्किल्स की आवश्यकता एवं पुलिस बल के संवेदीकरण पर भी प्रस्तुतिकरण दिया गया।

भीड़ नियंत्रण व यातायात प्रबंधन पर चर्चा

कार्यक्रम में पैनल डिस्कशन आयोजित किए गए जिनमें 2004 एवं 2016 के सिंहस्थ की चुनौतियों एवं व्यवस्था पर चर्चा की गई। भीड़ प्रबंधन, यातायात प्रबंधन, हजारों की संख्या में आए पुलिस बल के रुकने की व्यवस्था, आगामी 2028 में सिंहस्थ की चुनौतियों, अत्याधुनिक तकनीक के प्रयोग पर चर्चा की गई। आईजी श्री राकेश गुप्ता के संचालन में होने वाली इस चर्चा में सेवानिवृत्त आईजी श्री मनोहर वर्मा, सिवनी एसपी श्री सुनील मेहता और इंदौर के एडिशनल सीपी श्री राजेश सिंह ने अपने-अपने सुझाव रखें।

'भूतो न भविष्यति' अद्वितीय होगा सिहंस्थ-2028 का वैभव

सिंहस्थ-2028 में आने वाले सभी श्रद्धालु होंगे हमारे अतिथिः सीएम

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में 662 करोड़ रूपये से अधिक की लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। इसमें उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा क्रियान्वित नगर विकास योजनाएँ, सिंहस्थ-2028 संबंधी कार्य एवं गीता भवन का भूमि-पूजन शामिल है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा है कि उज्जैन विकास की 662 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत वाली विभिन्न योजनाओं का भूमि-पूजन केवल अवसंरचनाओं का निर्माण मात्र नहीं है। यह उज्जैन के गौरवशाली भविष्य और सांस्कृतिक एवं अभ्युदय का शंखनाद है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के माध्यम से समर्थ, समृद्ध और सशक्त विकसित भारत के दिव्य संकल्प की सिद्धि का प्रतीक भी है। उन्होंने त्रिवेणी विहार में इंदौर और जबलपुर की तर्ज पर 'गीता भवन' निर्माण के निर्णय के लिए डॉ. मोहन यादव की सरकार को बधाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कन्या-पूजन के साथ किया। कार्यक्रम में भूमि-पूजन और विकास कार्यों का प्रेजेंटेशन किया गया। शुरूआत में राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 के विकास कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि सिंहस्थ-2028 सनातन संस्कृति का वैश्विक-समागम है। हमारा कर्तव्य, दायित्व और जवाबदारी सिंहस्थ में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को गरिमापूर्वक सुविधाजनक दर्शन करने के प्रति है। सिंहस्थ-2028 में उज्जैन आने वाला प्रत्येक व्यक्ति हमारा अतिथि होगा। सिंहस्थ-2028 का वैभव इस बार 'भूतो न भविष्यति' को साकार करते हुए अद्वितीय होगा। राज्य सरकार के प्रयासों को भारत सरकार का साथ मिल रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट ने 3 हजार 839 करोड़ की लागत से NH- 752 D के बदनावर-पेटलावद थांदला खंड को फोर लेन करने की स्वीकृति दी है। यह इस बात का प्रमाण है कि केंद्र और राज्य मिलकर सिंहस्थ-2028 को अविस्मरणीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह कॉरिडोर उज्जैन को दिल्ली- मुंबई एक्सप्रेस-वे से सीधे जोड़कर विकास की नई धुरी बनेगा। राज्य सरकार ने सिहंस्थ-2028 महापर्व

की भव्यता और जन सुविधाओं के लिए 13 हजार 851 करोड़ रुपए के कार्यों की ऐतिहासिक स्वीकृति दी है। वर्ष 2026-27 के बजट में सिहंस्थ के लिए 3060 करोड़ रुपए का विशेष प्रावधान रखा गया है, यह उज्जैन के भविष्य को बदलने का रोडमेप है। हम उज्जैन को सुविधा और शुचिता का ऐसा मॉडल बनाएंगे जो पूरी दुनिया में आध्यात्मिक नगरी के साथ आधुनिकतापूर्वक कदम से कदम मिलाकर चलने का उदाहरण बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में गीता भवन सहित अन्य विकास कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा, हिन्दू नववर्ष की पावन बेला में उज्जैन को विकास कार्यों की सौगात मिल रही है।

D-19360/25

चैत्र नवरात्रि : मां अमका-झमका के दरबार में सजेगा श्रद्धा का दरबार

धार। दोपहर मेट्रो

चैत्र नवरात्रि आज प्रारंभ हो रही हैं। जिले का प्रसिद्ध मां अमका-झमका तीर्थ एक बार फिर आस्था, साधना और शक्ति के केंद्र पर भक्तों की भीड उमड़ेगी। जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित यह प्राचीन धाम 5 हजार वर्ष पुरानी पौराणिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है, जहां आज भी माता की अलौकिक शक्ति का अनुभव भक्त करते हैं। नवरात्रि के पहले दिन से ही यहां विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक और हवन का दौर शुरू हो जाता है। दूर-दराज से श्रद्धालुओं का आना लगातार बढ़ता हैं, और पूरे क्षेत्र में मेले जैसा माहौल बनने लगा है।

मंदिर परिसर में मां अमका-झमका का अलौकिक स्वरूप विराजमान है। इसके साथ ही यहां माता अंबिका और चामुंडा माता के भी चमत्कारिक मंदिर स्थित हैं। चामुंडा माता को पवार वंश सहित महाराष्ट्र के अनेक परिवारों की

कुलदेवी माना जाता है। यही कारण है कि नवरात्रि में महाराष्ट्र, गुजरात, इंदौर, रतलाम और झाबुआ सहित कई क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। आने वाले समय में इस प्राचीन तीर्थ का स्वरूप और भव्य हो सकता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वयं इस स्थल के जीर्णोद्धार और विकास में रुचि दिखाई है। प्रस्तावित योजना में यात्रियों के लिए ठहरने की व्यवस्था, शौचालय, द्वापर कालीन घटनाओं का सचित्र वर्णन और अन्य सुविधाएं विकसित किए जाने की संभावना है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह वही पावन स्थल है, जहां से भगवान श्रीकृष्ण ने माता रुक्मिणी का हरण किया था। यही कारण है कि यह स्थान ÷श्रीकृष्ण-रुक्मिणी हरण स्थल÷ के रूप में विख्यात है और इसकी पौराणिक महत्ता और भी बढ़ जाती है। मंदिर परिसर में विराजमान मां अमका-झमका का स्वरूप भक्तों को अद्भुत ऊर्जा और आस्था से भर देता है। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु माता की शक्ति को अनुभव करने की बात कहते हैं। साथ ही परिसर में माता अंबिका और चामुंडा माता के मंदिर भी स्थित हैं, जो इस स्थान को और भी दिव्य बनाते हैं।

ग्रामीणों ने संभाली विरासत

कुछ वर्ष पहले तक यह तीर्थ जीर्ण-शीर्ण अवस्था में था। प्राचीन कुंड, मंदिर परिसर और अन्य स्थल अपनी पहचान खोते जा रहे थे। ऐसे में स्थानीय ग्रामीणों ने विकास समिति बनाकर जीर्णोद्धार का बीड़ा उठाया। जनसहयोग और दानदाताओं के योगदान से मंदिर, कुंड और उद्यान को फिर से संवारा गया। आज यह तीर्थ अपने पुराने वैभव की ओर लौट चुका है और लगातार विकसित हो रहा है। मां अमका-झमका तीर्थ सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था, इतिहास और लोक विश्वास का संगम है। जहां एक ओर श्रीकृष्ण-रुक्मिणी हरण की कथा इसे पौराणिक पहचान देती है, वहीं नवरात्रि के दौरान यहां उमड़ने वाली भीड़ इसकी जीवंत आस्था का प्रमाण बनती है। माना जाता है कि सच्चे मन से मां के दरबार में आने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यही वजह है कि हर साल यहां श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

न्यूज विंडो

शांति समिति की बैठक में दी जानकारी

तेंदूखेड़ा। पुलिस थाना परिसर में नवागत एसडीएम सीजी गोस्वामी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चैत्र नवरात्रि, ईद, महावीर जयंती एवं आने वाले त्यौहार पर शांति पूर्वक मनाने को लेकर चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने नवरात्रि पर साफ-सफाई एवं खेरमाता जाने वाले मार्गो पर विधुत व्यवस्था की बात कही। साथ ही रात्रि में मुख्य सडक मार्ग एवं मंदिर जाने वाले मार्गो की साफ सफाई की जाएं जिससे सुबह श्रद्धालु को धूल से कोई परेशानी न हो। एसडीएम द्वारा नगर परिषद को निर्देश देते हुए कार्यो को पूर्ण करने के लिए कहा गया। आज सुबह समस्त हिंदुओ के द्वारा बाईक रैली निकाली जाएंगी जो राम मंदिर से प्रांरभ होगी एवं समापन बडी खेरमाई में होगा। इसके अलावा चांद दिखने पर ईद 20 या 21 मार्च को मनाई जाएंगी। ईद के दिन मस्जिद में सुबह 9 बजे नमाज अता की जाएंगी। मस्जिद के आसपास साफ-सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था के निर्देश नगर परिषद को दिए गए। शुक्रवार को वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती पर नगर के रेस्टहाउस के एकत्रीकरण होगा एवं सभी लोग रैली के माध्यम से नोहटा प्रस्थान करेंगे।

दो बाइकों की टक्कर में दो घायल

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत झलौन धनेटा मार्ग पर शाम 7 बजे दो बाइकों की आमने सामने जोरदार भिड़ंत हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है। इस हादसे दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिसमें एक व्यक्ति को गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार प्रकाश पिता रम्मू गोंड उम्र 40 वर्ष निवासी सनाई बोरिया थाना तारादेही इस्त्राईल खान पिता इस्त्राईल खान उम्र 30 वर्ष निवासी धनेटा थाना तेंदूखेड़ा है। दोनों बाइक सवार की जोरदार भिड़ंत में घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़े हैं जिसके कारण राहगीरों द्वारा घायलों को अलग-अलग वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से प्रकाश पिता रम्मू गोंड को गंभीर चोटे आने के चलते जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया वहीं घायल इस्त्राईल खान का उपचार स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

नववर्ष पर निकली संकीर्तन यात्रा

गंजबासौदा। प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी नववर्ष प्रतिपदा के पावन अवसर पर सनातन धर्म सेवा संस्थान समिति द्वारा भव्य सनातनी संकीर्तन यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ प्रातः गांधी चौक स्थित श्रीराम जानकी मंदिर से हुआ, जो नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई बरेठ रोड स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर पहुंची। संकीर्तन यात्रा में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए शामिल हुए। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा और जय श्रीराम व सनातन धर्म के जयकारों से यात्रा मार्ग गुंजायमान हो गया। वहीं श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर पर विधि-विधान से देव पूजन, पंचांग पूजन एवं वर्षफल वाचन किया गया। इसके पश्चात सामूहिक आरती संपन्न हुई तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी, धर्मप्रेमी नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन मौजूद रहे। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं आस्था का माहौल देखने को मिला।

शराब दुकानों का आवंटन: 5वें चरण के तहत आज ओपन होंगे टेंडर

नई आबकारी नीति से टूटा एकाधिकार बढ़ा राजस्व, 9 ग्रुप की 22 दुकानें शामिल

धार। दोपहर मेट्रो

आबकारी विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए शराब दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया चल रही हैं, एकल समूह के बजाय ग्रुपों में शराब दुकानों को आवंटित करने के कारण लाइसेंसी अधिक संख्या में रुचि दिखा रहे है। जिले की 88 दुकानों के लिए 21 एकल समूह बनाए गए थे, प्रथम द्वितीय, तृतीय, चौथे चरणों के बाद अब पांचवे चरण की शुरुआत हो गई है। 09 समूह की 22 कंपोजिट शराब दुकानों के लिए टेंडर आमंत्रित किए गए हैं, 19 मार्च को दोपहर पश्चात ई-टेंडर ओपन किए जाएंगे। इस चरण में गंधवानी, धार क्रमांक- दो, बदनावर, बगडीफाटा, बरमंगडल, कानवन, बिडवाल, भैंसोला, मुलथान गांव जैसे क्षेत्रों की शराब दुकान शामिल है। मदिरा दुकान समूहों के लिए निर्धारित आरक्षित मूल्य 133 करोड़ रुपए तय किया गया हैं, पूर्व में हुए टेंडर के देखते हुए आबकारी विभाग को चौथे चरण में भी बेहतर राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। एक दिन पूर्व हुए टैंडर में मांडव शिवबाबा, बडी कडोद अरविंद जायसवाल, बदनावर स्टैंड शिवबाबा, बलोदा सीमा सिसोदिया लाईसेंसियों को दुकान आवंटित की गई है।

दरअसल नई आबकारी नीति के तहत बडे लाइसेंसियों के एकाधिकार को समाप्त करते हुए शराब दुकानों को छोटे समूहों में विभाजित किया गया है। इसके पीछे विभाग की मंशा नीलामी प्रक्रिया में लाइसेंसियों की प्रतिस्पर्धा अधिक करते हुए राजस्व में बढ़ोतरी करना था। करीब दो साल बाद पुन देशी-विदेशी दुकानों को शामिल करते हुए समूह बनाए गए है। शराब दुकानों के माध्यम से राजस्व जुटाने में धार जिला प्रदेश के टॉप-10 जिलों में शामिल हैं। नई आबकारी नीति बनाने का फायदा चौथे चरण में ही देखने को मिलेगा। सहायक आबकारी आयुक्त राज नारायण सोनी के अनुसार शेष रहे 09 ग्रुप के लिए पांचवे चरण में टेंडर आमंत्रित किए गए हैं, गुरुवार को जिला समिति की मौजूदगी में निर्धारित प्रक्रिया के तहत टेंडर ओपन करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी को कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के ग्राम डोबनी में हुई हत्या के मामले में कुक्षी अपर सत्र न्यायालय ने आरोपी जगदीश पिता मानसिंह उम्र 24 को आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। आरोपी ने गांव के ही पेमसिंह पिता गुलाबसिंह की गोली मारकर हत्या की थी। अभियोजन पक्ष की पैरवी करने वाले अपर लोक अभियोजक आरके गुप्ता ने बताया कि घटना दो वर्ष पूर्व 10 मई 2024 को थाना टाण्डा के ग्राम डोबनी में हुई थी।

आरोपी जगदीश उर्फ अंकलसिंह ने गांव के निवासी पेमसिंह पिता गुलाबसिंह को बंदूक से गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। वारदात से कुछ घंटे पहले रात करीब 8 बजे पेमसिंह अपने भाई गिरू के साथ गांव के हैंडपंप पर पानी भर रहा था। तभी आरोपी जगदीश वहां आया और पेमसिंह तथा उसके भाई गिरू से लड़की से संबंधित बात पूरे गांव में बताने को लेकर विवाद करने लगा। उसने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और वहां से चला गया। घटना वाले दिन रात के समय पेमसिंह अपने भाई गिरू और दुलामसिंह के साथ मकान की छत पर सो रहा था। तड़के करीब 4 बजे आरोपी जगदीश सीढ़ियों से चढ़कर छत पर आया और पेमसिंह को जान से मारने की बात कही। आरोपी की आवाज सुनकर छत पर सो रहे तीनों भाई जाग गए। तभी आरोपी ने पेमसिंह के सीने पर बंदूक से फायर कर दिया, जिससे पेमसिंह वहीं गिर पड़ा। दुलामसिंह और गिरू ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन जगदीश वहां से भाग निकला। अभिभाषक गुप्ता के अनुसार ग्रामीणों की मदद से घायल पेमसिंह को तत्काल टाण्डा अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मृत्यु हो चुकी थी। यह प्रकरण थाना टाण्डा में दर्ज किया गया था और इस मामले में 17 महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज करवाए। उपलब्ध साक्ष्य और गवाहों के बयानों के आधार पर, न्यायालय ने आरोपी को हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास और अर्थदंड से दंडित किया।

तेन्दूखेड़ा में बस स्टैण्ड के पास शराब दुकान खोलने का विरोध

स्कूल और मंदिर के पास शराब दुकान प्रस्तावित स्थानीय लोगों ने उठाई आवाज, जताई नाराजगी

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड क्रमांक 08 के समस्त रहवासियों ने वर्ष 2026-27 में प्रस्तावित शराब दुकान के स्थान परिवर्तन को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्तमान में संचालित शराब दुकान को बस स्टैण्ड क्षेत्र में विद्यानगर वाली गली में सुलभ कॉम्प्लेक्स के सामने खोलने की योजना है, जिसका स्थानीय नागरिकों द्वारा विरोध किया जा रहा है।इन्हीं सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए वार्ड क्रमांक 08 के रहवासियों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तेन्दूखेड़ा से ज्ञापन के माध्यम से निवेदन किया है कि प्रस्तावित स्थान पर शराब दुकान खोलने की अनुमति न दी जाए।

नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को प्राथमिकता देते हुए दुकान को किसी उपयुक्त एवं कम संवेदनशील स्थान पर ही संचालित करने की व्यवस्था की जाए वार्डवासियों का कहना है कि प्रस्तावित स्थान अत्यंत संवेदनशील एवं सार्वजनिक गतिविधियों का केंद्र है। इस क्षेत्र में जिम्स साउथ इंडियन स्कूल एवं सरस्वती स्कूल के छात्र-छात्राओं का प्रतिदिन आवागमन रहता है। साथ ही यह मार्ग बस स्टैण्ड, प्रतीक्षालय एवं सुलभ कॉम्प्लेक्स से जुड़ा हुआ है, जहां दिनभर बड़ी संख्या में यात्रियों और स्थानीय नागरिकों की आवाजाही बनी रहती है। इसके अतिरिक्त, समीप ही नगर का जैन मंदिर स्थित है, जहां धार्मिक गतिविधियों के लिए श्रद्धालुओं का निरंतर आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में इस स्थान पर शराब दुकान खुलने से न केवल सामाजिक वातावरण प्रभावित होने की आशंका है, बल्कि महिलाओं, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को असुविधा और असुरक्षा का सामना भी करना पड़ सकता है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि इस प्रकार के सार्वजनिक एवं शैक्षणिक-धार्मिक स्थलों के समीप शराब दुकान का संचालन समाज की मर्यादा एवं व्यवस्था के विपरीत है। इससे युवाओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है। वार्डवासियों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र ही सकारात्मक निर्णय करेगा, जिससे नगर में शांति, सुरक्षा एवं सामाजिक संतुलन बना रहे।

प्रेमिका को खंडहर में ले गया प्रेमी और ले ली जान

अनूपपुर। शहर में दो दिन पहले खंडहर मकान में मिले युवती के शव की गुत्थी को सुलझाते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 15 मार्च को गुंवारी गांव के एक खंडहर मकान में दुर्गंध आने की शिकायत लोगों ने पुलिस को दी थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो खंडहर मकान के अंदर एक युवती का क्षत विक्षत शव मिला था।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना श्यामला हिल्स भोपाल

फोन नं. 0755-2677310, 2661477 E-mail psshyamla@gmail.com
क्रं./था.प्र./श्या.हिं./भो./ मर्ग क्रं 02/26 दिनांक 16.03.2026

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना श्यामला हिल्स पर मर्ग क्रमांक 02/26 का कायम कर जांच में लिया गया है जिसमें हमीदिया अस्पताल भोपाल से सीएमओ डाक्टर सौमित्र बाथम

जरिये टेलीफोन नं. 9329384392 अटेण्डर हरिसिंह ने सूचना दिया कि दिनांक 10.03.26 को लगभग 14.00 बजे अज्ञात महिला पेशेंट उम्र लगभग 40 साल को 108 एम्बुलेंस चालक जगदीश मो. नं. 6269720451 ईलाज हेतु अस्पताल लेकर आया था। जिसने बताया कि दिनांक 10.03.26 को दोपहर लगभग 01.00 बजे पोलेटेक्निक चौराहा श्यामला हिल्स भोपाल पर एक्सिडेन्ट होने से महिला को सिर में चोट आयी थी अज्ञात पेशेंट बेहोशी की हालत में थी जिसका ईमरजेंसी वार्ड में ईलाज चल रहा था। उक्त अज्ञात पेशेंट की दिनांक 14.03.26 के लगभग 20.00 बजे दौराने ईलाज अज्ञात पेशेंट की मृत्यु हो गई है जिसका पीएमएलसी न 430/26 है। जिसके शव को मर्चुरी रूप में पीएम कराने हेतु सुरक्षित रखा गया। अस्पताल की सूचना पर मर्ग क्र 02/26 धारा 194 बीएनएसएस कायम कर जांच में लिया गया है।

मृतिका अज्ञात महिला पेशेंट उम्र लगभग 40-45 साल के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त होती है तो थाना श्यामला हिल्स भोपाल से संपर्क करें अथवा थाना श्यामला हिल्स भोपाल के दूरभाष फो.नं. 0755-2677310 थाना प्रभारी महोदय मो.नं.-9479990543 जांचकर्ता कार्य प्र.आर. 2957 हीरेश पाण्डेय-7049104088 पर सूचित करें।

थाना प्रभारी
थाना श्यामला हिल्स भोपाल

जी-27591/25

मेट्रो एंकर एसडीएम की मौजूदगी में संपन्न हुई किसानों, व्यापारियों और हम्मालों की बैठक

मंडी बोर्ड से चर्चा के बाद तय होगी हम्माली की नई दर

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

तहसील परिसर में मंडी व्यापारियों, किसानों, हम्माल और तुलावटो की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में नए वित्तीय वर्ष में हम्माली की नई दर तय करने संबंधी चर्चा महत्वपूर्ण विषय थी। किसानों का कहना था कि जब मंडी में धर्मकांटे से किसान की उपज की तौल होने लगी है तो फिर उनसे डाक नीलामी के नाम पर हम्माली की राशि लेना पूरी तरह अनुचित और अव्यावहारिक है। किसानों ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में मंडी बोर्ड भी निर्देश जारी कर चुका है लेकिन इसके बाद भी किसानों से डाक नीलामी के नाम पर ये राशि ली जा रही है। इसके साथ ही किसानों ने प्रति ट्राली ली जाने वाली फड़ की राशि भी खत्म करने की बात बैठक में कहीं। इस संबंध में हम्माल और व्यापारिक प्रतिनिधियों का कहना ही था की मंडी में आने वाली उपज की तौल और हम्माली संबंधी राशि लेने की प्रक्रिया बड़ी मंडियों में भी चल रही है। ऐसे में

केवल सिर्फ सिरोंज मंडी में नई व्यवस्था बनाना अनुचित है। व्यापारियों कहना था कि हमें तौल के समय मंडी की तरफ से कोई प्रतिनिधि तो चाहिए ही। इस बहस के बीच हम्माली और तुलवाट की नई दर तय करने संबंधी कोई निर्णय नहीं हो सका। इस निर्णय को मंडी बोर्ड से चर्चा करने तक टाल दिया गया है। वहीं किसानों से प्रति ट्राली ली जाने वाली फड़ कि 20 की राशि लेने की प्रक्रिया 1 अप्रैल से खत्म करने का निर्णय भी बैठक में हुआ। बैठक में मंडी में आने वाले किसानों को दी जाने वाली 5 रु दर पर भोजन की व्यवस्था की जांच और समीक्षा करने की मांग भी की गई। उनका कहना था कि बेहद कम किसान इस सुविधा का लाभ लेते है और व्यवस्था का संचालन करने वाली समिति द्वारा फर्जी पर्ची लगाकर किसानों के नाम से राशि निकाली जा रही है। बैठक में कृषि उपज मंडी में आए दिन होने वाली अनाज चोरी की घटनाओं को लेकर भी चर्चा की गई। किसानों का कहना था की कई बार चोरी का मामला पकड़ने के बाद भी मंडी प्रबंधन द्वारा जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। यह गलत है। इस दौरान एसडीएम ने भी इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई की बात कही। इसके बाद निर्णय हुआ कि अनाज चोरी की घटना में यदि तुलावट दोषी पाया जाता है तो कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक-2, लोक निर्माण विभाग, ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल
दूरभाष - 0755 2465467

क्रमांक 16/व.ले.लि/सी.2/2025-26 भोपाल, दिनांक 11.03.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केंद्रीयकृत पंजीयन के तहत पंजीकृत निविदाकारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है:-

क्र.	एन.आई.टी. क्र.	सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाखों में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	भौतिक रूप से एनक्लप प्रस्तुत करने का कार्यालय
1	68/SAC dt 11.03.2026	2026/_CPA_489474_1	वल्लभ भवन भोपाल में मंत्रालय वल्लभ भवन2,3 एम.एल.सी.पी, पुलिस बैरक, रिकार्ड रूम, का फायर फाईटिंग सिस्टम का ऑपरेशन एवं मेन्टेनन्स संबंधी कॉम्प्रहेन्सीव कॉन्ट्राक्ट का कार्य, (4thcall)	रू. 230.75 लाख (रू. दो करोड़ तीस लाख पिचहत्तर हजार)	रू. 2,30,750/-	रू. 15,000/-	केवल ऑनलाईन प्रस्तुत करना है।

उपरोक्त वेबसाईट से ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेन्डर डोक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड एवं ऑनलाईन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 23.03.2026 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक-2
लोक निर्माण विभाग, ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल,
दूरभाष-0755 2465467

जी-27596/25

कहां हैं मयंक यादव

चोट ने बिगाड़ी रफ्तार के सौदागर की लय, दो साल में महज छह IPL मैच खेले

लखनऊ, एजेंसी

आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है। टी20 के इस महाकुंभ का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दुनिया की इस सबसे बड़ी टी20 लीग में खिलाड़ियों को अपना हुनर दिखाने का बेहतरीन मौका मिलता है। इस लीग में शानदार प्रदर्शन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह भी दिलवाता है। रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या, ग्लेन मैक्सवेल और शॉन मार्श, कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें आईपीएल ने फर्श से अर्श पर पहुंचाया। इस लीग से कई सितारे उभरते हैं और इन्हीं सितारों में एक नाम ऐसा भी है,

जिसने अपनी रफ्तार से दुनिया को हैरान तो किया, लेकिन पिछले कुछ समय से क्रिकेट की चकाचौंध से गायब है। हम बात कर रहे हैं मयंक यादव की। मयंक को आईपीएल में रफ्तार का सौदागर कहा गया। हालांकि, पिछले दो आईपीएल सत्र में वह सिर्फ छह मैच ही खेल सके हैं। उनका ज्यादातर समय बंगलूरू में बीसीसीआई के रिहैब सेंटर में ही बीता है। हालांकि, इस साल इस रफ्तार के सौदागर के पास अपनी छाप छोड़ने का अच्छा मौका है। दो साल चोट से ज्यादातर समय जूझने के बाद, मयंक अब आईपीएल में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

2024 में मयंक ने किया था आईपीएल डेब्यू

दरअसल, आईपीएल 2022 के ऑक्शन में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने दिल्ली के एक तेज गेंदबाज पर दांव खेला। 20 लाख के बेस प्राइस में मयंक यादव लखनऊ के खेमे में शामिल हुए। साल 2022 और 2023 में मयंक को अपनी रफ्तार दिखाने का मौका नहीं मिला था। हालांकि, एलएसजी में मयंक को एक ऐसे तेज गेंदबाज के तौर पर तैयार किया जा रहा था, जो बल्लेबाजों के लिए बड़ी परेशानी बनने वाले थे। मयंक को आईपीएल 2024 में पहली बार मौका मिला और उनकी रफ्तार ने हर टीम और बड़े से बड़े बल्लेबाज को चौंका दिया। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने पहले मैच में 27 रन देकर तीन विकेट झटके और प्लेयर ऑफ द मैच बने। दो अप्रैल, 2024 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले गए मुकाबले में मयंक ने एक गेंद डाली, जिसकी रफ्तार 156.7 किलोमीटर प्रति घंटा थी। यह इस सीजन की सबसे तेज गेंद भी रही। आईपीएल 2024 में मयंक यादव ने कुल चार मुकाबले खेले और सात विकेट निकाले। इन चार मुकाबलों में ही मयंक इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी छाप छोड़ने में सफल रहे। मयंक के आगे बड़े से बड़े बल्लेबाज इस सीजन बेबस दिखाई दिए थे, लेकिन इंजरी ने सारा काम खराब कर दिया। मयंक चोट के चलते आईपीएल 2024 से बाहर हो गए। मयंक अपने शुरुआती दोनों आईपीएल मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

मयंक टीम इंडिया में भी चुने गए

हालांकि, चोट से वह अक्तूबर, 2024 में उबर गए और उनकी रफ्तार ने भारतीय चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। मयंक को भारतीय टी20 टीम में जगह दी गई। वह अक्तूबर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेले और पांच विकेट लिए। ऐसा कहा जाने लगा कि भारत को एक नया सितारा मिल गया है। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उनके चयन की मांग भी होने लगी। इसमें कोई दो राय नहीं थी कि मयंक पर्थ जैसी पिचों पर बेहद घातक साबित हो सकते थे। मयंक उस वक्त सबसे ज्यादा चर्चा में थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। मयंक एक बार फिर चोटिल हो गए और फिर रिहैब से गुजरे। ज्यादातर समय बाहर रहने के बावजूद लखनऊ फ्रेंचाइजी ने उन पर भरोसा जताया और मेगा नीलामी से पहले मयंक को 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

आईपीएल से विदाई की तैयारी!

महेन्द्र सिंह धोनी और सुनील नरेन समेत इन पांच दिग्गजों का 2026 हो सकता है आखिरी सीजन

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन की शुरुआत 28 मार्च को होने जा रही है। आईपीएल 2026 का ओपनर मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम में होना है। अभी भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने शुरुआती 20 मुकाबलों का ही शेड्यूल जारी किया है। बाकी मैचों का शेड्यूल जल्द आने की संभावना है।

खिलाड़ियों के लिए आखिरी साबित हो सकता है। इन खिलाड़ियों ने वर्षों तक अपनी टीमों के लिए शानदार प्रदर्शन किया है और लीग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। लेकिन अब उम्र, फिटनेस और टीम कॉम्बिनेशन को देखते हुए ये प्लेयर्स आगामी सीजन के बाद आईपीएल से रिटायरमेंट लेने का फैसला कर सकते हैं।

1. **महेंद्र सिंह धोनी:** चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में शामिल हैं। हालांकि उनकी उम्र और फिटनेस को देखते हुए माना जा रहा है कि 2026 सीजन उनके लिए आखिरी हो सकता है। जुलाई 2026 में धोनी 45 साल के हो जाएंगे। पिछले कुछ सीजन में घुटने की समस्या के बावजूद उन्होंने छोटी लेकिन प्रभावी इनिंग्स खेलकर टीम को जीतें दिलाईं। सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने पुष्टि की है कि वह इस पूरे सीजन में खेलेंगे, लेकिन कई फैन्स मानते हैं कि यह उनका इमोशनल फेयरवेल सीजन हो सकता है। धोनी की ही कप्तानी में सीएसके ने अपने पांचों आईपीएल खिताब जीते हैं।

2. **सुनील नरेन:** कैरेबियाई बॉलिंग ऑलराउंडर कोलकाता नाइट राइडर्स के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में एक रहे हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए उन्होंने आईपीएल में 192 विकेट लिए हैं और हाल के वर्षों में विस्फोटक ओपनर के रूप में भी खुद को साबित किया है। देखा जाए तो नरेन ने बल्ले से आईपीएल में 1780 रन बनाए हैं। मई में 38 साल के होने जा रहे नरेन पहले ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। अब बढ़ती उम्र और फिटनेस चुनौतियों के कारण वह आईपीएल 2026 के बाद इस लीग से बतौर प्लेयर विदा ले सकते हैं।

3. **ईशांत शर्मा:** भारतीय तेज गेंदबाज ईशात शर्मा ने आईपीएल में कुल 7 टीमों के लिए मुकाबले खेले हैं। ईशांत का अंतरराष्ट्रीय करियर लगभग खत्म हो चुका है और वो नवंबर 2021 के बाद से टीम इंडिया से बाहर हैं। युवा तेज गेंदबाजों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच आईपीएल 2026 उनके करियर का अंतिम सीजन बन सकता है। ईशांत ने भारत के लिए 105 टेस्ट मैचों में 311 विकेट लिए और टीम की यादगार जीतों का हिस्सा रहे। आईपीएल के पिछले दो-तीन सीजन में ईशांत ने सहयोगी गेंदबाज की भूमिका निभाई है। फिलहाल गुजरात टाइटन्स का हिस्सा ईशांत अब 37 साल के हो चुके हैं और जल्द ही अपने करियर को लेकर बड़ा फैसला ले सकते हैं।

4. अजिंक्य रहाणे

तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने आईपीएल में 5032 रन बनाए हैं और वो 6 टीमों के लिए खेल चुके हैं। 2023 के सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका शानदार पुनरुत्थान देखने को मिला था। बाद में वो कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़े। पिछले साल उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी भी की, जहां टीम 8वें स्थान पर रही। इस सीजन भी रहाणे ही कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं। जून में 38 साल के होने जा रहे रहाणे के लिए यह सीजन आखिरी हो सकता है।

5. मिचेल स्टार्क

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनका आईपीएल 2026 के बाद भविष्य अनिश्चित माना जा रहा है। स्टार्क दुनिया के सबसे खतरनाक बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों में गिने जाते हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 में खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाने के बाद स्टार्क दिल्ली कैपिटल्स (छ्ष्ट) से जुड़े। 36 साल की उम्र और इंटरनेशनल क्रिकेट के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए वह अपना वर्कलोड कम कर सकते हैं, इसलिए आईपीएल में बतौर खिलाड़ी उनका ये आखिरी सीजन हो सकता है। स्टार्क पहले ही टी20 इंटरनेशनल को अलविदा कह चुके हैं और उनका फोकस टेस्ट एवं ओडीआई क्रिकेट पर है।

सूर्यकुमार यादव का खुलासा

चार लोगों ने किया था मुझे कप्तान बनाने का फैसला, रोहित का भी रहा अहम रोल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम की इस वक्त वाइट बॉल क्रिकेट में पूरी तरह से डॉमिनेशन देखने को मिल रही है। भारत ने 2024 के बाद 2026 में भी टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता। इस बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हुई, इसका चैंपियन भी भारत रहा। वहीं हाल ही में हुआ टी20 वर्ल्ड कप भारत ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में जीता है। 2024 का टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट ले लिया था। उसके बाद भारत की टी20 टीम का कप्तान सूर्यकुमार यादव को बनाया गया। सूर्या ने अब खुलासा किया है कि किन 4 ने उनको कप्तान बनाने का फैसला किया था। भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पीटीआई से कहा, %एक समय था जब जय भाई, उस वक्त के

बीसीसीआई सचिव ने श्रीलंका सीरीज के तीन-चार दिन पहले कॉल किया था। उन्होंने कॉल किया और मुझे बताया कि वो मुझे टी20 टीम का कप्तान बना रहे हैं। हां, उन्होंने पहले कॉल किया। सूर्या ने आगे कहा, लेकिन मुझे पता था कि यह सब पहले से ही रोहित भाई और अजीत भाई ने प्लान किया हुआ था। गौतम भाई बाद में आए। उन्होंने राहुल सर (उस समय के कोच राहुल द्रविड़) के साथ मिलकर जय भाई से इस बारे में चर्चा की थी।

शानदार है सूर्या का कप्तानी रिकॉर्ड

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने 52 टी20 मुकाबलों में से 42 मैच जीते हैं। वह अपनी कप्तानी में एक भी बाइलेटरल टी20 सीरीज नहीं हारे हैं। 35 साल के सूर्या अपनी कप्तानी में सिर्फ 8 मैच और जीतते ही बतौर भारतीय कप्तान सबसे ज्यादा टी20 मैच जीतने वाले कप्तान बन जाएंगे। सूर्यकुमार यादव ने भारत के लिए कुल 113 टी20 मुकाबले खेले हैं और 3272 रन बनाए हैं।

आईपीएल 2026: विराट कोहली रचेंगे इतिहास

ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन सकते हैं

नई दिल्ली। विराट कोहली सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के ही किंग नहीं हैं। दुनिया की सबसे लोकप्रिय और सर्वश्रेष्ठ टी20 लीग आईपीएल में भी उनके सामने कोई भी बल्लेबाज नहीं ठहरता है। आईपीएल के हर सीजन में कोई न कोई रिकॉर्ड बनाने वाले कोहली आगामी सीजन में भी एक अनोखी उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। विराट कोहली अगर आईपीएल के आगामी सीजन में 339 रन और बना लेते हैं, तो उनके कुल रनों की संख्या 9,000 हो जाएगी और लीग के इतिहास में 9,000 रन बनाने वाले वह पहले बल्लेबाज बन जाएंगे।

कोहली का पिछले तीन सीजन में औसत 53 से ऊपर रहा है। ऐसे में पूरी

संभावना है कि आईपीएल 2026 में वह 9,000 रनों का आंकड़ा छू लेंगे। विराट ने साल 2023 में 53.25 की औसत से 639, 2024 में 61.75 की औसत से 741, और 2025 में 54.75 की औसत से 657 रन बनाए थे। कोहली के 2025 में किए गए प्रदर्शन का आरसीबी को चैंपियन बनाने में अहम योगदान रहा था।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

39 की उम्र में दुल्हन बनेंगी श्रद्धा कपूर, राहुल मोदी संग लेंगी फेरे

बॉलीवुड की ब्यूटी क्वीन श्रद्धा कपूर अपनी शादी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. लंबे समय से श्रद्धा का नाम राइटर राहुल मोदी संग जुड़ रहा है. दोनों अपनी शादी को लेकर भी अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं. फैंस को भी श्रद्धा को दुल्हन के जोड़े में देखने का इंतजार है. अब श्रद्धा की शादी पर उनकी मौसी तेजस्विनी कोल्हापुरे ने चुप्पी तोड़ी है. फ्री प्रेस जर्नल संग बातचीत में श्रद्धा कपूर की मौसी तेजस्विनी कोल्हापुरे ने एक्ट्रेस की शादी को लेकर बात की. श्रद्धा की वेडिंग न्यूज पर उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा- सच में? मुझे इस बारे में नहीं पता. मुझे तो कोई आइडिया ही नहीं है. तेजस्विनी कोल्हापुरे ने श्रद्धा की तारीफ करते हुए ये भी कहा कि उन्हें गर्व है कि एक्ट्रेस अपने परिवार की लीगेसी को आगे लेकर गई हैं. उन्होंने कहा कि श्रद्धा ने जिस ग्रेस के साथ परिवार के नाम को रोशन किया है उससे वो बहुत ज्यादा खुश हैं.

श्रद्धा संग कैसा है बॉन्ड?

श्रद्धा कपूर की मौसी, तेजस्विनी कोल्हापुरे ने ये भी बताया कि वो और श्रद्धा एक दूसरे के काम को डिस्कस करती हैं. दोनों सेट से तस्वीरें, वीडियो और अलग-अलग फिल्मों में एक-दूसरे के लुक शेयर करती हैं. तेजस्विनी ने यह भी बताया कि वो और श्रद्धा एक-दूसरे को सलाह तभी देती हैं, जब उन्हें लगता है कि किसी चीज में वाकई सुधार किया जा सकता है. श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी की बात करें तो 2024 से दोनों की डेटिंग की चर्चा है, जब उन्हें डिनर डेट पर स्पॉट किया गया था. दोनों वेकेशन से लेकर कई इवेंट्स तक साथ नजर आते हैं. हालांकि, श्रद्धा और राहुल ने कभी ऑफिशियली अपने रिश्ते को कंफर्म नहीं किया है. मगर दोनों की केमिस्ट्री चर्चा में बनी रहती है. फैंस को अब उन दोनों की शादी का बेसब्री से इंतजार है.

नोरा ही नहीं, संजय दत्त भी रहे हैं विवादित गानों का हिस्सा,

गैंगस्टर इमेज चमकाने के लिए लिया आइटम नंबर का सहारा

मुंबई । संजय दत्त और नोरा फतेही की पैन इंडिया फिल्म केडी- द डेविल का गाना सरके चुनर तेरी... रिलीज के साथ ही हंगामा मचा रहा है। गाने को लेकर कई शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं और कार्रवाई करते हुए गाने को यूट्यूब से हटा दिया गया है, लेकिन गाने के विवादित होने के पीछे सिर्फ नोरा फतेही का नाम ही चर्चा में आ रहा है, जबकि गाने का हिस्सा संजय दत्त भी हैं। हिंदी सिनेमा में संजय दत्त की छवि एक गैंगस्टर वाली रही है और जिस भी फिल्म में वे गैंगस्टर या खलनायक की भूमिका में दिखे हैं, वहां ऐसे विवादित गानों की बौछार रही है। आज हम संजय दत्त के उन विवादित गानों के बारे में जानेंगे, जिसमें सरके चुनर तेरी... जैसे सीन्स और लिरिक्स को पहले भी किया जा चुका है। साल 2012 में अमिताभ बच्चन, संजय दत्त और राणा दग्गुबाती की फिल्म डिपार्टमेंट थी, जिसमें गैंगस्टर की जीवनी को दिखाने के लिए डन डन चीनी गाने को फिल्माया गया था, जिसमें नतालिया कौर ने

अपने सिजलिंग डांस स्टेप्स से सबको हैरान कर दिया था। यह गाना देखने में सरके चुनर तेरी... से भी ज्यादा बोल्ड था। साल 1993 में आई फिल्म खलनायक में दो ऐसे गाने फिल्माए गए थे, जो समाज के मापदंडों पर बिल्कुल भी फिट नहीं बैठते थे। पहला था नायक नहीं खलनायक हूं मैं और दूसरा चोली के पीछे क्या है। नायक नहीं खलनायक हूं मैं एक बैड बॉय इमेज का गाना था, जिसमें एक नकारात्मक किरदार को हीरो की तरह पेश करने की कोशिश की गई, जबकि चोली के पीछे क्या है के लिरिक्स हद से ज्यादा विवादित रहे थे, लेकिन विडंबना देखिए, आज भी इन गानों का चलन धड़ल्ले से हमारे समाज में किया जाता है।

भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था सभी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा कर रही है: रिपोर्ट में दावा

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली । भारत में बेरोजगारी दर फरवरी में घटकर 4.9 प्रतिशत हो गई है, जो यह दिखाता है कि देश में नौकरी मिलने की रफ्तार में सुधार हो रहा है। अब रोजगार के अवसर सिर्फ कुछ बड़े शहरों या चुनिंदा सेक्टर तक सीमित नहीं रह गए हैं। इंडिया नैरेटिव में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, फरवरी में मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन, रिटेल, लॉजिस्टिक्स और कृषि जैसे कई सेक्टर में रोजगार बढ़ा है। इससे साफ है कि आर्थिक सुधार का फायदा अब शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों तक भी पहुंच रहा है। सरकार द्वारा बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर किया जा रहा खर्च और कारोबार में बढ़ता भरोसा अब वास्तविक नौकरी के अवसरों में तब्दील होता दिख रहा है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे कार्यक्रमों के तहत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने के प्रयास रंग लाते दिख रहे हैं। साथ ही, पीएलआई स्कीम के जरिए इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेश बढ़ रहा है। इन सेक्टर में सिर्फ फैक्ट्री में ही नहीं, बल्कि लॉजिस्टिक्स, कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में भी रोजगार के नए अवसर बन रहे हैं। लेख में कहा गया है कि अब कई ग्लोबल कंपनियां भारत को अपना प्रोडक्शन बेस बना रही हैं, जिससे नौकरी के अवसर ज्यादा स्थिर हो रहे हैं और मौसमी उतार-चढ़ाव का असर कम पड़ रहा है। युवाओं के रोजगार को लेकर भी सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। टेक्नोलॉजी और डिजिटल सर्विस सेक्टर तेजी से बढ़ रहे हैं, जहां सॉफ्टवेयर, डेटा एनालिटिक्स और क्लाउड जैसी फील्ड में लाखों लोगों को नौकरी मिल रही है

रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ी, चीन जा रहे टैंकर्स ने भारत का किया रुख

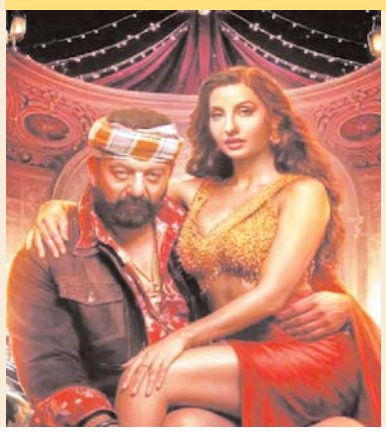

नई दिल्ली। अमेरिका, इजरायल और ईरान युद्ध के बीच भारत ने रूसी कच्चे तेल की खरीद को बढ़ा दिया है और कई टैंकर्स, जिनका निर्धारित गंतव्य स्थान चीन के पोर्ट्स थे, अब उन्होंने भारत का रुख किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कच्चे तेल से लदा अफ्रामैक्स टैंकर एक्वा टाइटन, 21 मार्च को न्यू मैंगलोर पहुंचने वाला है, जिसमें यूराल्स का कच्चा तेल होगा। जनवरी के अंत में बाल्टिक सागर के एक बंदरगाह से तेल लोड करने के बाद जहाज ने शुरू में चीन के रिझाओ को अपना गंतव्य निर्धारित किया था। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, मार्च के मध्य में अचानक अपना रास्ता बदलते हुए, जहाज दक्षिण चीन सागर में मुड़ गया और भारत की ओर बढ़ने लगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर सामने आया है, जब अमेरिका दुनिया के सभी देश कों रूसी कच्चा तेल खरीदने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

ऐसे में भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों ने अपनी कच्चे तेल की खरीद को बढ़ा दिया है और केवल एक हफ्ते में करीब 30 मिलियन बैरल रूसी कच्चा तेल खरीद लिया है। ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण मध्य पूर्व में तेल आपूर्ति में आई बाधाओं के बाद आपूर्ति संबंधी चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से खरीदारी में यह उछाल दर्ज किया गया है। यह बदलाव केवल एक टैंकर तक सीमित नहीं है। एनालिटिक्स फर्म वोर्टेक्सा के आंकड़ों से पता चलता है कि हाल के हफ्तों में रूसी तेल ले जाने वाले कम से कम सात जहाजों ने चीन से भारत की ओर अपना मार्ग बदल लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, सभी प्रमुख भारतीय रिफाइनर एक बार फिर रूसी कच्चे तेल खरीद रहे हैं, जिससे ऐसा लगता है कि भारत मॉस्को के लिए एक प्रमुख खरीदार के रूप में अपनी स्थिति फिर से हासिल कर रहा है।

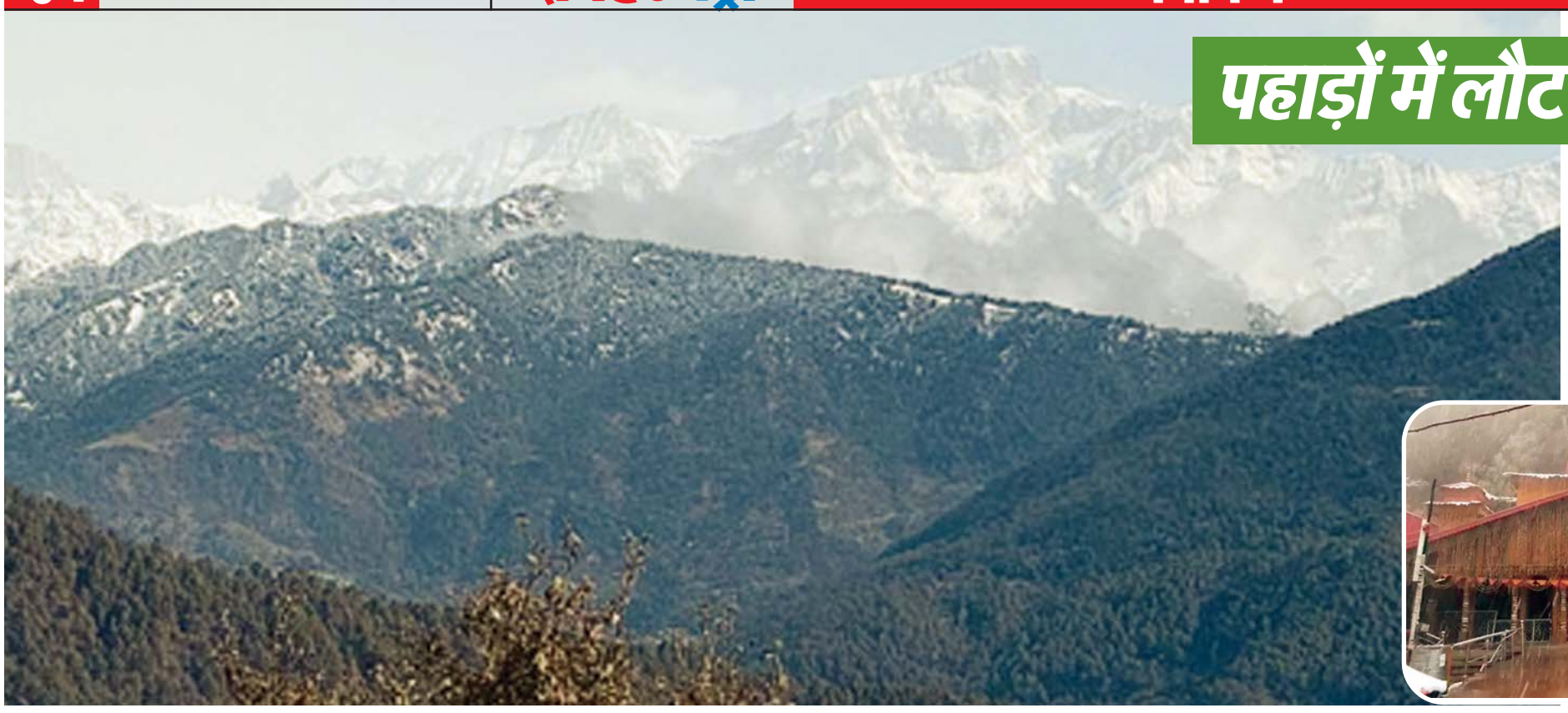

पहाड़ों में लौट आई ठंड

आज उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई। वहीं हिमाचल के चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में तेज बारिश, आंधी, बिजली गिरने और ओले गिरने की संभावना है।

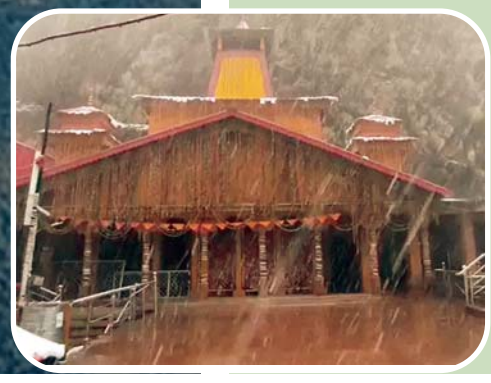

गंगोत्री धाम में बर्फबारी, कई राज्यों में बारिश और ओले का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून

देश के कई हिस्सों में मौसम ने अचानक करवट ली है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। राजस्थान में जयपुर सहित कई शहरों में बुधवार देर रात से ही घने बादल छाए हुए हैं। कल भी ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। ठंडी हवाएं चलने से तापमान 2 से लेकर 9 डिग्री तक गिर गया।

मध्य प्रदेश में भोपाल, इंदौर-ग्वालियर समेत 33 जिलों में आंधी-बारिश और 3 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने अगले 3 दिन प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 30 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटे तक की रफ्तार से आंधी चलने का अनुमान जताया है।

उधर हरियाणा के रेवाड़ी में रात में हुई तेज बारिश के साथ ओले गिरे। सड़कों पर पानी भर गया। आंधी के चलते सड़कों पर लगे होर्डिंग भी उखड़ गए। बारिश के कारण दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। आने वाले दिनों में दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट देखने को मिलेगी।

अगले दो दिन मौसम का हाल: 20-21 मार्च- मौसम विभाग ने दिल्ली में यलो अलर्ट जारी करते हुए हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है। राजस्थान में ओले गिरने का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट जारी कर भारी बर्फबारी की चेतावनी दी गई है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश में आंधी का अलर्ट है। नॉर्थ-ईस्ट में भी तेज बारिश की आशंका है।

राजस्थान में तेज बारिश और ओले गिरने की चेतावनी, 9 डिग्री तक गिरा तापमान: राजस्थान में आज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। 9 जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। जयपुर सहित कई शहरों में बुधवार देर रात से ही घने बादल छाए हुए हैं। हवा में भी ठंडक है। बदले मौसम का प्रभाव 20 मार्च तक रहने की संभावना है। इससे पहले बुधवार को बारिश के चलते तापमान 2 से लेकर 9 डिग्री तक गिर गया।

नगालैंड में तूफान-बारिश से तबाही, 46 परिवार प्रभावित

नगालैंड में तेज तूफान और बारिश से 46 परिवार प्रभावित हुए हैं। चुमौकेडिमा और पेरेन जिलों में कई घरों और बिजली के खंभों को नुकसान पहुंचा है। मोन जिले के एक सरकारी स्कूल को भी नुकसान हुआ, जिससे मिड-डे मील प्रभावित हुआ। हालांकि अब तक कोई जनहानि नहीं हुई है।

यूपी के मथुरा-संभल में तेज आंधी, होर्डिंग और पेड़ गिरे

यूपी में मौसम बदल गया है। गाजियाबाद, हाथरस और नोएडा में आंधी के साथ बारिश हुई। मथुरा में तेज आंधी से सड़क पर लगे होर्डिंग गिर गए हैं। कई जगह पेड़ और बिजली के पोल भी गिर गए। खड़ी फसलें को भी नुकसान हुआ है। एक मकान की छत भी ढह गई। संभल में भी तेज आंधी चली। पश्चिमी यूपी के 3 शहरों में बारिश का अलर्ट है।

न्यूज विंडो

अमेरिका में ब्याज दरें जस की तस, युद्ध के बीच फेड ने नहीं किया कोई बदलाव

वाशिंगटन। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अपनी प्रमुख ब्याज दर को 3.5% से 3.75% के दायरे में यथावत रखने का फैसला किया। फेड ने कहा कि उपलब्ध संकेतक बताते हैं कि आर्थिक गतिविधियां मजबूत गति से बढ़ रही हैं, हालांकि महंगाई अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, रोजगार में वृद्धि सीमित रही है और बेरोजगारी दर में हाल के महीनों में बहुत अधिक बदलाव नहीं देखा गया है। फेड ने अपने दोहरे लक्ष्य अधिकतम रोजगार और दीर्घकाल में 2% महंगाई को दोहराते हुए कहा कि आर्थिक परिदृश्य को लेकर अनिश्चितता अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है।फेड ने पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि इनका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। समिति ने कहा कि वह अपने दोनों लक्ष्यों रोजगार और महंगाई से जुड़े जोखिमों पर बारीकी से नजर बनाए हुए है।

चंडीगढ़: 13 गोलियां मारी... रंगदारी न मिलने पर प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-9 में दिनदहाड़े हमलावरों ने एक नामी प्रापर्टी डीलर पर अंधाधुंध गोलियां बरसाकर उसकी हत्या कर दी। मृतक की पहचान मुल्लांपुर निवासी चमनप्रीत सिंह उर्फ चीनी कुबाहेरी (31) के रूप में हुई है।चमनप्रीत सिंह सेक्टर-9 स्थित बॉडी जोन जिम में वर्कआउट करने के बाद दोपहर करीब 12.15 बजे अपनी काले रंग की टोयोटा फार्च्यूनर गाड़ी से घर लौट रहे थे। गाड़ी वह खुद चला रहे थे। जिम से थोड़ी दूर ही रेड लाइट के चलते गाड़ी रुकी हुई थी। इसी दौरान एक हमलावर लाल टी-शर्ट और हेलमेट पहने हुए पैदल ही उनकी गाड़ी के पास पहुंचा और बेहद नजदीक से उस पर फायरिंग कर दी।हमलावर ने कुल 13 राउंड फायर किए। इस दौरान चमनप्रीत ने गाड़ी भगाने की कोशिश भी की, लेकिन कामयाब नहीं हो सके।

ईरान युद्ध के खिलाफ इस्तीफा देने वाले अधिकारी के खिलाफ जांच शुरू

वॉशिंगटन। ईरान युद्ध के खिलाफ अपने पद से इस्तीफा देने वाले पूर्व वरिष्ठ आतंकवाद रोधी अधिकारी जो केंट की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। दरअसल उन पर शक है कि उन्होंने खुफिया जानकारी लीक की। अब अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने इसकी जांच शुरू कर दी है कि क्या जो केंट ने गोपनीय जानकारी को अनुचित तरीके से साझा किया था? जो केंट ने मंगलवार को ही अपने पद से इस्तीफा दिया था, उसके बाद ही यह जांच शुरू हुई। केंट ने हाल ही में अमेरिका के नेशनल आतंकरोधी सेंटर के निदेशक पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने ईरान के साथ युद्ध को लेकर असहमति जताते हुए यह कदम उठाया था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी न्याय विभाग ने पिछले एक वर्ष में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कई जांच शुरू की हैं। इनमें पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कोमी और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटेशिया जेम्स भी शामिल हैं।

धार में युवक ने चाकू से काट लिया खुद का गला और हाथ, सुबह मिली लाश

धार, एजेंसी

धार शहर की आनंद चौपाटी इलाके में एक युवक ने खुद के हाथों और गले पर चाकू मारकर खुदकुशी कर ली। आज सुबह जब लोग मॉर्निंग वॉक पर निकले तो उन्हें खून से लथपथ शव मिला। पुलिस को इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद जांच में युवक की पहचान कुणाल जोशी 35 वर्ष के रूप में हुई।

युवक सॉफ्टवेयर इंजीनियर था और पिछले कुछ दिनों से परेशान चल रहा था। सीसीटीवी कैमरों में यह पूरी घटना कैद हो गई है, जिसमें वह अपने शरीर पर खुद ही चाकू से वार करता नजर आ रहा है। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों को युवक का शव करीब 6 बजे पड़ा मिला, उसके शरीर से कपड़े उतरे हुए थे, खून भी फैला हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचने के बाद आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो उसमें युवक चाकू से अपने हाथ और गर्दन को काटता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद वह सड़क किनारे बैठ गया और कपड़े उतारकर फिर खुद को गर्दन काटने लगा। पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक युवक को शराब पीने की लत थी। नशे में ही उसने खुद के शरीर पर चाकू से वार किया। ज्यादा खून बह जाने की वजह से उसकी मौत हो गई।

सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे

कुणाल पुत्र सूर्यनारायण जोशी पुजारी परिवार से संबंधित बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। घटनास्थल पर शव के पास चाकू भी बरामद हुआ।

पुलिस और आरबीआई अफसर बन लूटे 2 करोड़ हाई-टेक टीम को सौंपी जांच

चंडीगढ़। डिजिटल अरेस्ट साइबर फ्रॉड के एक बड़े मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने के आदेश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस तरह के संगठित और बहु-राज्यीय साइबर अपराधों की जांच केवल उच्च तकनीकी दक्षता वाली केंद्रीय एजेंसी ही प्रभावी ढंग से कर सकती है।

यह आदेश जस्टिस जसजीत सिंह बेदी की पीठ ने पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता सुखमंदर सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसे डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 2.07 करोड़ रुपये की भारी ठगी का शिकार बनाया गया।

भारत को मिली बड़ी सफलता

पोखरण में पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की तरफ देश ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। राजस्थान के पोखरण में सोलर ग्रुप द्वारा निर्मित पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट्स के प्रोडक्शन बैच का सफल परीक्षण किया गया। यह पहली बार है जब निजी कंपनी ने 24 गाइडेड पिनाका रॉकेट्स के साथ सटीकता, मारक क्षमता और 50 किमी से अधिक रेंज का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया, जो भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता (आत्मनिर्भर भारत) को बढ़ावा देता है।

गेम चेंजर साबित होगा पिनाका: दुनिया में जारी तनाव के माहौल के बीच भारत ने 90 चरूस्ट्राइक पॉवर वाली 24 पिनाका श्रकरॉकेट का परीक्षण किया है। बता दें कि पहली बार पिनाका Extended Range रॉकेट के दो प्रोडक्शन बैचों का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में किया गया, जहां 24 रॉकेट्स को लॉन्च कर उनकी सटीकता और मारक क्षमता को परखा गया। दुनिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे समय में भारत का यह कदम एक बड़ा रणनीतिक संदेश माना जा रहा है। पिनाका ER भविष्य के युद्धों में गेम चेंजर साबित होने जा रहा है।

लंबी दूरी तक मार करने वाला हथियार

पिनाका एक मल्टिपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम है। ये एक लंबी दूरी तक मार करने वाला आर्टिलरी हथियार है, जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने भारतीय सेना के लिए विकसित किया है। यह सिस्टम तेज प्रतिक्रिया और सटीक हमले के लिए जाना जाता है, जिससे सेना की युद्ध क्षमता काफी बढ़ जाती है। पिनाका की सबसे बड़ी खासियत इसकी तेजी और सटीक हमला करने की क्षमता है। कुछ हद तक यह क्रूज मिसाइल की तरह काम करता। पिनाका भारत का एक सफल स्वदेशी हथियार सिस्टम माना जाता है। भारतीय सेना का इसे मजबूत समर्थन मिला हुआ है। भविष्य में इसके और लंबी दूरी वाले वर्जन आने की तैयारी है।

टेस्टिंग के दौरान कुल 24 रॉकेट दागे गए

पिनाका के धमाके की आवाज से दुश्मनों की नींद उड़ जाएगी। क्योंकि स्वदेशी रॉकेट सिस्टम की रेंज बढ़ गई है। रॉकेट सिस्टम का सोलर ग्रुप ने देश में पहली बार दो प्रोडक्शन बैच का सफल परीक्षण किया। यह टेस्टिंग इंडियन आर्म फोर्सेज के लिए काफी अहम है। पोखरण में टेस्टिंग के दौरान इस दौरान कुल 24 रॉकेट दागे गए, जिनमें उनकी सटीकता , स्थिरता और मारक क्षमता को जांचा गया। कंपनी के मुताबिक, सभी रॉकेट ने फील्ड कंडीशन में शानदार प्रदर्शन किया।

दुलारचंद यादव मर्डर केस में अनंत सिंह को मिली जमानत

मोकामा। मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। वे दुलारचंद यादव मर्डर केस में पटना के बेऊर जेल में बंद थे। अब बेल मिलने के बाद विधायक अनंत सिंह दो तीन दिनों में जेल से बाहर आ सकते हैं। कागजी प्रक्रिया के बाद वे अपने समर्थकों के बीच होंगे।

मोकामा विधायक अनंत सिंह ने अभी हाल ही में राज्यसभा चुनाव के दौरान जेल से आकर वोट दिया था। उस वक्त उन्होंने बड़ा ऐलान किया था कि अब उनका बाल-बच्चा राजनीति करेगा।

अमेरिका इंटेल चीफ ने जताई चिंता

अमेरिका को टारगेट करने वाले मिसाइल बना रहे चीन और पाक

वॉशिंगटन। अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने सीनेट इंटेलिजेंस कमिटी के सामने 2026 की एनुअल थ्रेट असेसमेंट पेश करते हुए कहा है कि रूस, चीन, उत्तर कोरिया, ईरान और पाकिस्तान अमेरिका के लिए सबसे बड़े परमाणु खतरा बने हुए हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि ये देश नए, उन्नत या पारंपरिक मिसाइल डिलीवरी सिस्टम विकसित कर रहे हैं, जिनमें परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह के हथियार लगाए जा सकते हैं। इन मिसाइलों की रेंज अमेरिकी धरती तक पहुंच सकती है।तुलसी गबार्ड ने कहा कि चीन और रूस ऐसे एडवांस्ड डिलीवरी सिस्टम बना रहे हैं जो अमेरिकी मिसाइल डिफेंस को भेद या चकमा दे सकते हैं। उन्होंने जोर दिया कि अमेरिका को इन बढ़ते खतरों से गंभीरता से निपटना होगा।उत्तर कोरिया के आईसीबीएम पहले से ही अमेरिकी धरती तक पहुंच सकते हैं और वह अपना परमाणु हथियारों का भंडार बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। गबार्ड ने बताया कि उत्तर कोरिया रूस और चीन के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहा है, जो वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर सकता है।

मेट्रो एंकर

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और केरल इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट में खुलासा

केरल के 70 फीसदी विधायकों पर हैं आपराधिक मामले

नई दिल्ली, एजेंसी

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और केरल इलेक्शन वॉच की नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि केरल विधानसभा के मौजूदा विधायकों में से लगभग 70 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि केरल के आधे से ज्यादा मौजूदा विधायक करोड़पति हैं। रिपोर्ट में सूबे के 132 विधायकों के हलफनामों का अध्ययन किया गया था। इसमें पाया गया कि 92 विधायकों ने अपने ऊपर लंबित आपराधिक मामले बताए हैं। इनमें से 33 विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। इन गंभीर मामलों में हत्या और हत्या के प्रयास के आरोप शामिल हैं।

2 विधायकों पर हैं हत्या के मामले: रिपोर्ट के मुताबिक, 2 विधायकों ने आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के मामले घोषित किए हैं। तीन विधायकों पर हत्या के प्रयास (धारा 307) के आरोप हैं। इसके अलावा 3 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले हैं, जिनमें से एक में बलात्कार का आरोप भी शामिल है। सबसे ज्यादा आपराधिक मामले CPI(रू) के विधायकों पर हैं, जबकि दूसरे नंबर पर कांग्रेस है। हालांकि प्रतिशत के हिसाब से देखा जाए तो कांग्रेस पहले और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग दूसरे नंबर पर है।

कुछ पार्टियों के सभी MLA करोड़पति: आर्थिक स्थिति की बात करें तो 72 विधायकों (55 प्रतिशत) ने अपनी संपत्ति 1 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई है। सभी 132 विधायकों की कुल संपत्ति 363.78 करोड़ रुपये है। एक विधायक की औसत संपत्ति 2.75 करोड़ रुपये है। कुछ पार्टियों के सभी विधायक करोड़पति हैं जिनमें केरल कांग्रेस (एम), जेडी(एस), NCP और केरल कांग्रेस शामिल है। IUML के 86 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं, कांग्रेस के 62 प्रतिशत और CPI(रू) के 40 प्रतिशत विधायक करोड़पतियों की लिस्ट में शुमार हैं।

सबसे अमीर और सबसे गरीब विधायक

कांग्रेस के माथ्यू कुजलनादन सूबे के सबसे अमीर विधायक हैं। उनकी कुल संपत्ति 34 करोड़ रुपये से ज्यादा है। दूसरे नंबर पर निर्दलीय विधायक मणि सी. कप्पन हैं, जिनकी संपत्ति 27 करोड़ रुपये से अधिक है। तीसरे नंबर पर केरल कांग्रेस (B) के केबी गणेश कुमार हैं, जिनके पास 19 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति है। सबसे कम संपत्ति वाले विधायक CPI(रू) के पीपी सुमोद हैं। उन्होंने सिर्फ 9.9 लाख रुपये की संपत्ति घोषित की है।

किस पार्टी में हैं सबसे पढ़े-लिखे विधायक

शिक्षा के मामले में 61 प्रतिशत विधायक ग्रेजुएट या उससे ऊपर पढ़े हुए हैं। 36 प्रतिशत ने कक्षा 5 से 12 तक की पढ़ाई बताई है।ी रिपोर्ट के मुताबिक, सूबे की विधानसभा में महिलाओं की संख्या बहुत कम है। सिर्फ 11 विधायक ही महिलाएं हैं जो कि कुल संख्या का 8 फीसदी है। उम्र की बात करें तो 70 प्रतिशत विधायक 51 से 80 साल के बीच हैं, जबकि 30 प्रतिशत 25 से 50 साल के आयुवर्ग में हैं। बता दें कि यह रिपोर्ट केरल विधानसभा के मौजूदा 132 विधायकों के हलफनामों पर आधारित है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564